

मिशन शिक्षण संवाद



काव्यरूप

# गणित

5



काव्य निर्माण



प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)  
पू०मा०वि०वीरपुर छबीलगढ़ी जवाँ,  
अलीगढ़





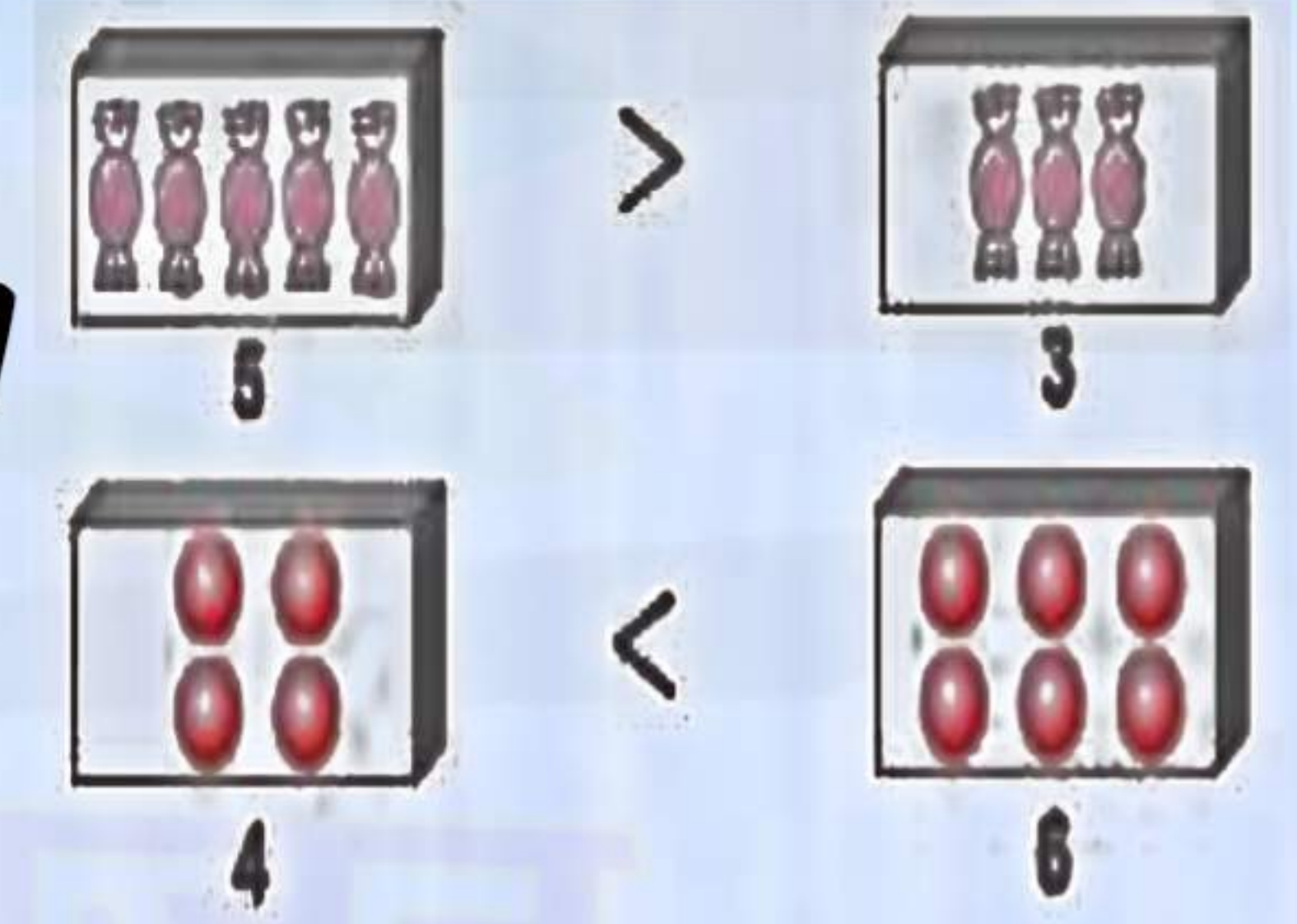
### संख्याएँ

1, 2, 3, 4, 5, 6,  
अंक होते कितने अच्छे ।  
तिरसठ हजार चार सौ पन्द्रह,  
लिखकर दिखाओ सारे बच्चे ॥



इकाई दहाई सैकड़ा हजार,  
गणित चलाता सारा घर बाजार ।  
संख्या में अंक रखते अपना मान,  
बार-बार अभ्यास कर इनको जान ॥

4, 5, 9, 1 से बनाओ सबसे बड़ी संख्या,  
इन्हीं अंको से बनाओ सबसे छोटी संख्या ।  
छोटे-बड़े  $>$   $<$  का चिन्ह लगाकर,  
बताओ कौन छोटी, कौन है बड़ी संख्या ?



2 से ना कटे जो वो हो संख्या विषम,  
जो कटे 2 से होए वह संख्या सम ।  
गिनतारा पर खेल, संख्याओ से कर मेल,  
दिखे फिर न खत्म होने वाली संख्या रेल ॥





### पाठ-2

### जोड़-घटाना

अंक से अंक मिलाते जाओ,  
संख्याओं में वृद्धि करते जाओ ।  
यही जोड़ कहलाता है,  
जुड़ जाने से जीवन सहज हो जाता है।।



संख्याओं को जब कम करते,  
इस प्रक्रिया को घटा कहते हैं ।  
कहाँ जोड़ना कहाँ घटाना,  
आज इसको हम समझते हैं ।।

50 के आम 40के पपीते,  
कुल खर्च हुए रुपये कितने ।  
50रुपए में 40 मिलाओ,  
90 रुपए जोड़ प्रक्रिया में पाओ।।



$$50 + 40 = 90$$

$$\begin{array}{r} 100 \\ 40 \\ \hline 60 \end{array}$$

100 रुपये हैं तुम्हारे पास,  
40 रुपये की मुझे तुमसे आस ।  
60 रुपये ही रहेंगे अब तुम्हारे पास,  
आज कराएँगे घटाने के अभ्यास ।।





पाठ-3

गुणा-भाग (पार्ट-1)

किसी संख्या या अंक में,

1 2 3 4

उसी संख्या/अंक को जोड़ते हैं।

$2 \times 2 \times 2 \times 2$

प्रक्रिया ये एक या अधिक बार है होती,

बच्चों इसे ही गुणा कहते हैं।



$$\begin{array}{r} 2 \\ \times 4 \\ \hline 8 \end{array}$$

संख्या या अंक जितनी बार जोड़ा जाता,

उतनी ही बार है वह गुणा होता।

गुणा को  $\times$  इस चिन्ह से प्रदर्शित करते हैं,

आओ अब सवाल गुणा के करते हैं ॥

बड़ी संख्या का गुणा करने का,

तरीका चलो बताते हैं।

पहाड़े गर याद होंगे तुम्हे,

तो सवाल आसानी से हल कर पाते हैं ॥

X	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
2	2	4	6	8	10	12	14	16	18	20	22	24
3	3	6	9	12	15	18	21	24	27	30	33	36
4	4	8	12	16	20	24	28	32	36	40	44	48
5	5	10	15	20	25	30	35	40	45	50	55	60
6	6	12	18	24	30	36	42	48	54	60	66	72
7	7	14	21	28	35	42	49	56	63	70	77	84
8	8	16	24	32	40	48	56	64	72	80	88	96
9	9	18	27	36	45	54	63	72	81	90	99	108
10	10	20	30	40	50	60	70	80	90	100	110	120
11	11	22	33	44	55	66	77	88	99	110	121	132
12	12	24	36	48	60	72	84	96	108	120	132	144





पाठ-3

गुणा-भाग (पार्ट-2)

जब किसी संख्या या अंक में,  
किसी संख्या या अंक को।  
एक से अधिक बार घटाके देखो,  
बच्चों भाग कहते हैं इसको।



संख्या/अंक को जितनी बार घटाते हैं,  
उतनी ही बार देना होता है भाग।  
इसेःइस चिन्ह से प्रदर्शित करते हैं,  
आओ बच्चों लेगें अब भाग में भाग।।

दिया जाता है जिस संख्या से भाग,  
उस संख्या को भाजक कहते हैं।  
जिस संख्या में देते हैं भाग,  
उसे भाज्य फिर कहते हैं।।

$$\begin{array}{r}
 3 \leftarrow \text{भागफल} \\
 \text{भाजक} \rightarrow 7 \overline{) 25} \leftarrow \text{भाज्य} \\
 \underline{- 21} \\
 4 \leftarrow \text{शेषफल}
 \end{array}$$

$$9 \times 3 = 3$$

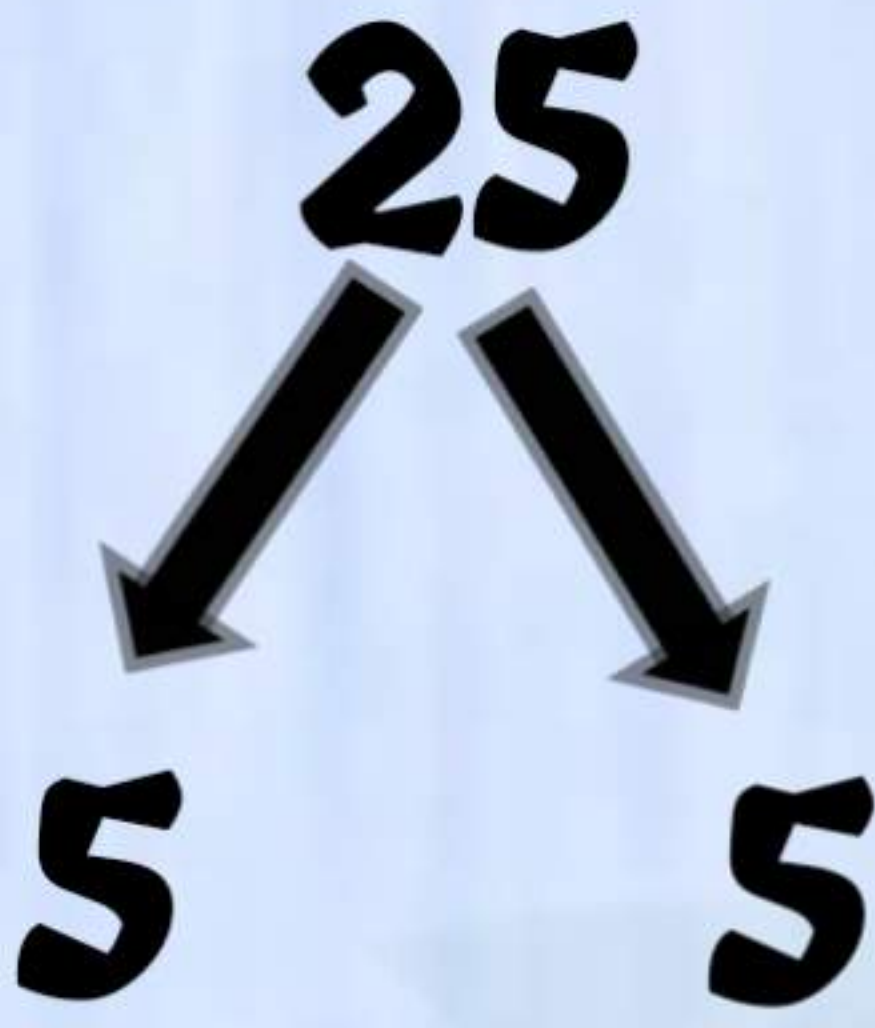
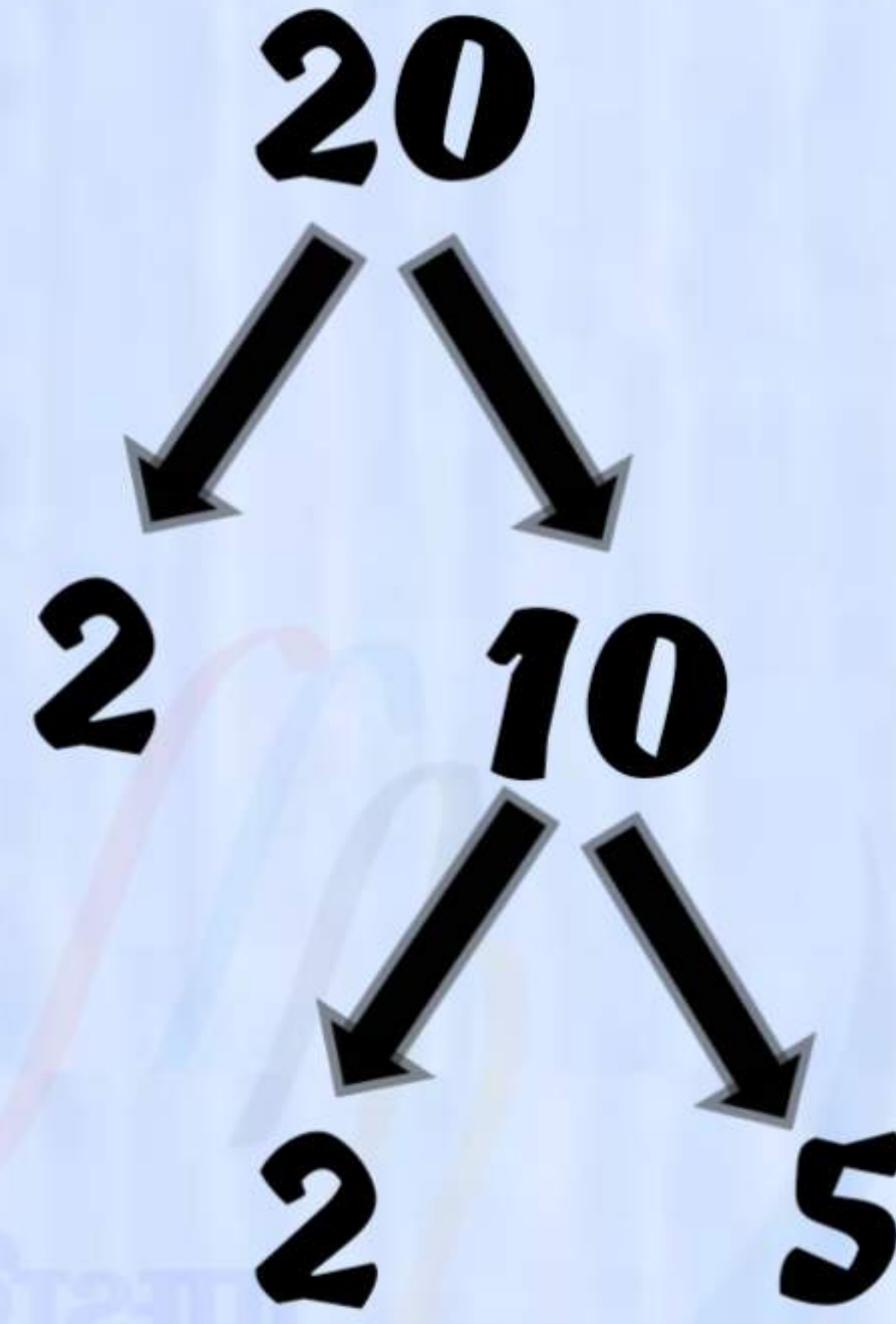
भाज्य में भाजक का करके भाग,  
जो संख्या प्राप्त होती है।  
उसे भागफल कहते हैं,  
घटा के बची संख्या शेषफल होती है।।





पाठ-4 भाग-1  
महत्तम समापवर्तक

महत्तम समापवर्तक,  
वह सबसे बड़ी संख्या होती है।  
जो दी गई संख्याओं को,  
पूरा विभाजित करती है।।



$$20 = 2 \times 2 \times 5$$

$$25 = 5 \times 5$$

माना हमारे पास हैं,

20 और 25 संख्याएँ।

गुणनखंड करो 20 और 25 के,

तो 5 को हम दोनों में पाएँ ।।

यही है वो सबसे बड़ी संख्या,

जो 20 और 25 को विभाजित कर पाए।

5 ही 20 और 25 का महत्तम समापवर्तक होगा,

इसी तरह अभ्यास से महत्तम समापवर्तक सीखते

जाएँ।।

$$\begin{array}{r} 20 \ 4 \\ \hline 5 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 25 \ 5 \\ \hline 5 \end{array}$$





पाठ-4 भाग-2

लघुत्तम समापवर्तक

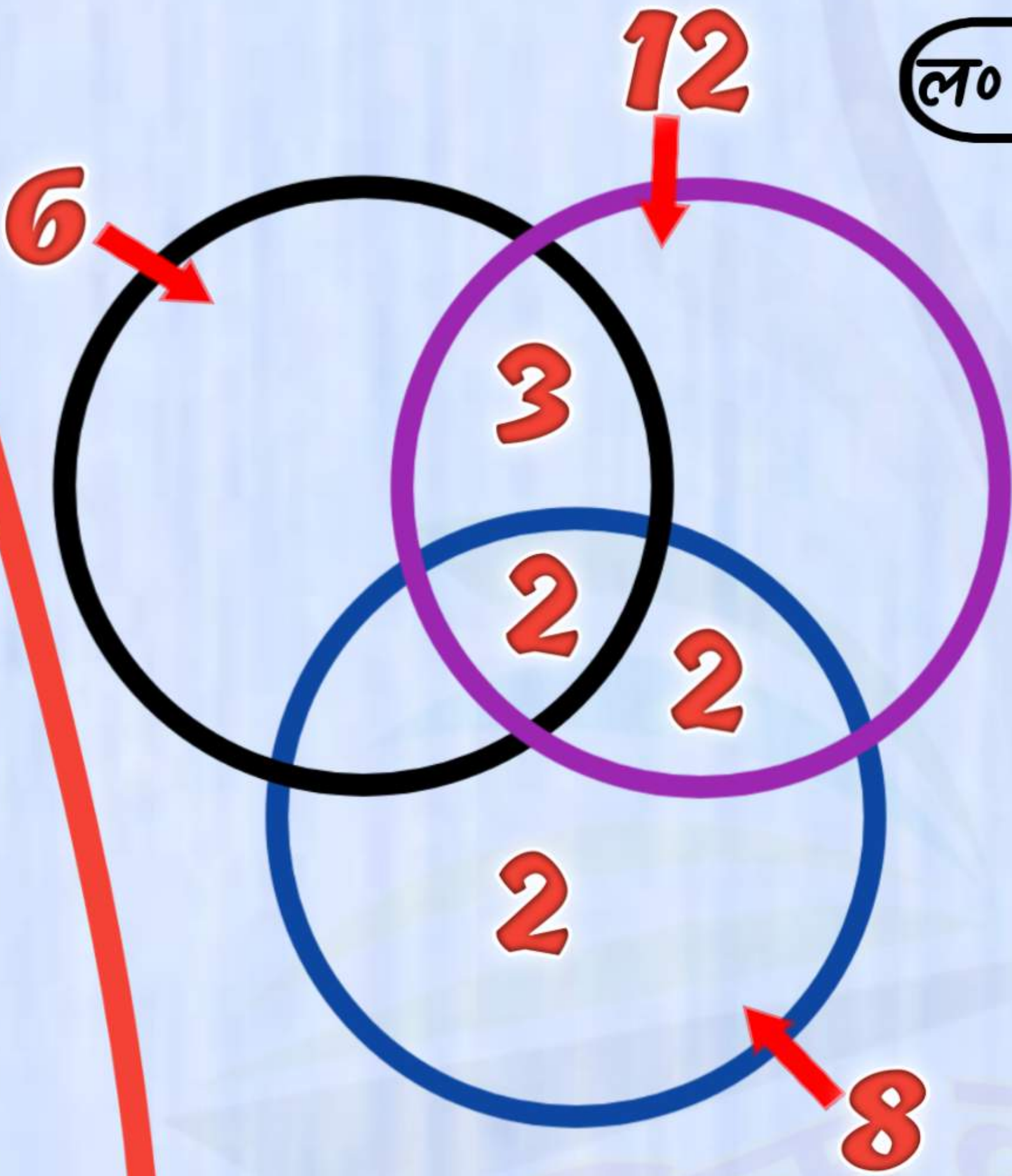
वह छोटी से छोटी संख्या,  
लघुत्तम समापवर्तक होती है।  
जो दी गई संख्याओं से,  
पूर्णतः विभाजित होती है।।

$$6 = 2 \times 3$$

$$8 = 2 \times 2 \times 2$$

$$12 = 2 \times 2 \times 3$$

ल०स०प० =  $2 \times 2 \times 2 \times 3$



आओ 6,8,12 संख्याएँ ले,  
फिर इनके गुणनखंड ज्ञात करें।  
अधिकतम घात वाले गुणज को ले,  
उनकी परस्पर गुना करें।।

2 तो तीन बार है आया,  
3 को बस एक बार ही है पाया।  
2 की घात 3 तथा 3 का गुणा करते हैं,  
6,8,12 का ल०स० 24 को सही पाते हैं।।

2	6, 8, 12
2	3, 4, 6
2	3, 2, 3
3	3, 1, 3
	1, 1, 1
	ल०स०प०
	$2 \times 2 \times 2 \times 3$
	=24



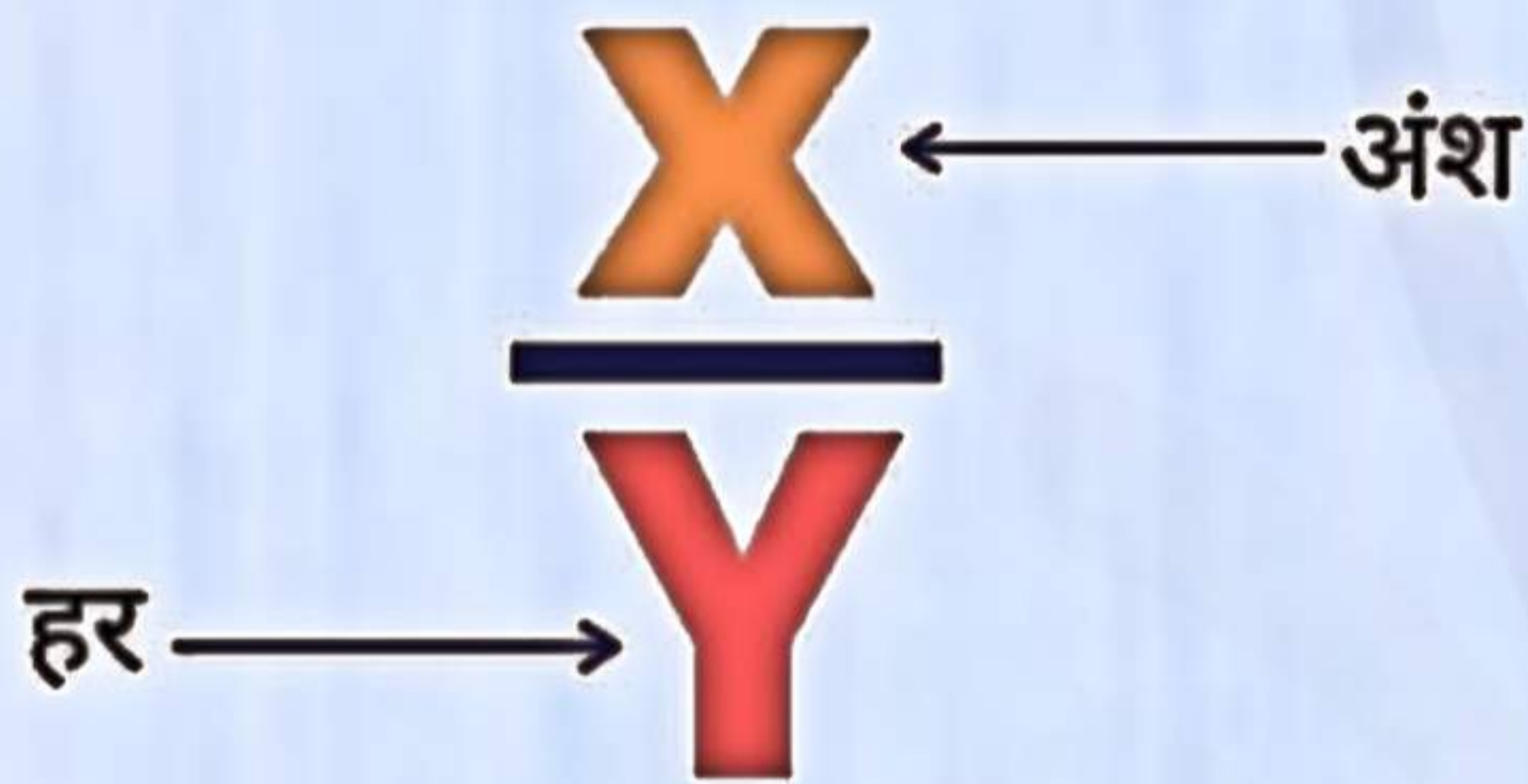


**पाठ-5**

**भिन्नों की गुणा**

1 बटा 2 और 2 बटा 3 लेते हैं  
आज भिन्नों का गुणा करते हैं।  
ऊपर वाली संख्या अंश है होती  
नीचे वाली हर कहलाती है।।

$$\frac{1}{2} \times \frac{2}{3}$$



अंश को नहीं काटते हैं अंश से,  
हर को नहीं काटते हैं हर से।  
अंश को काटते हैं हर से,  
या हर को काटते हैं अंश से।।

अगर नहीं कटती है कोई संख्या,  
तो अंश का अंश से गुणा है करते।  
फिर बटा का चिन्ह लगाते हैं,  
हर का हर से गुणा कर उत्तर प्राप्त है करते।।

$$\begin{aligned} & \frac{3}{7} \times \frac{4}{5} \\ & = \frac{3 \times 4}{7 \times 5} \end{aligned}$$

$$\begin{aligned} & \frac{1}{2} \times \frac{2}{3} \\ & \frac{1}{3} \end{aligned}$$

ऊपर के उदाहरण में,  
तिरछे दो और दो कट जाते हैं।  
अंश 1 और हर 3 प्राप्त होता है,  
इस प्रकार उत्तर 1/3 प्राप्त हो जाता है।।





### पाठ-6

### भिन्नों का भाग

बच्चों  $\frac{3}{4}$  भागित  $\frac{1}{4}$  लेते हैं  
 चिन्ह भागित को गुणा में बदल देते हैं।  
 फिर  $\frac{1}{4}$  को  $\frac{4}{1}$  हैं कर देते,  
 इस प्रकार भिन्न के भाग सवाल हैं करते।।

$$\frac{3}{4} \div \frac{1}{4}$$

$$\frac{3}{4} \times \frac{4}{1}$$

अगर पूरी विभाजित होती है कोई संख्या,  
 तो पहले ये प्रक्रिया पूरी करते हैं।  
 प्रक्रिया की समझ बनाने से,  
 "भिन्न के भाग" सीख जाते हैं।।

पहले अंश से हर को,  
 या हर से अंश को काटते हैं।  
 यह प्रक्रिया ऊपर नीचे,  
 या तिर्यक करते हैं।।

$$\frac{3}{4} \times \frac{4}{1}$$

$$\frac{3}{1} = 3$$

फिर अंश, अंश का गुणा कर,  
 बटा का चिन्ह लगाते हैं।  
 हर का हर हर से गुणा कर,  
 भागफल प्राप्त करते हैं।।





### पाठ-7

### दशमलव

इकाई, दहाई, सैंकड़ा स्थान पर होते हैं,  
दशमलव के बाईं ओर के अंक।  
दसवाँ, सौवाँ स्थान पर होते हैं,  
दशमलव के दाईं ओर के अंक।।

इकाई दहाई इकाई दसवाँ सौवाँ

7 1 0 . 6 2

↑  
दशमलव

7 1 0 . 6 2

↓ ↓ ↓ ↓ ↓  
 $1 \times 10$   $0 \times 1$   $6/10$   $2/100$   
 $7 \times 100$   $2/100$

इकाई का मतलब 1 है होता,  
दहाई का मतलब 10 होता है।  
दसवाँ का मतलब 1 बटा 10,  
सौवाँ का मतलब 1 बटा 100  
होता है।।

बाईं ओर के अंको को,  
सामान्य रूप से पढ़ते हैं।  
पर दाईं ओर के अंको को,  
एक-एक करके पढ़ते हैं।।

710.62

सात सौ दस दशमलव छः दो

24.15

↓ ↓ ↓ ↓  
↓ ↓ ↓ ↓  
↓ ↓ ↓ ↓  
↓ ↓ ↓ ↓  
20 4 . 1 0.05

24.15 का स्थानीय मान निकालते हैं,  
5 का मान 0.05 होता है।  
1 का 0.1 निकलता है,  
4 का 4 तथा 2 का स्थानीय मान  
20 होता है।।

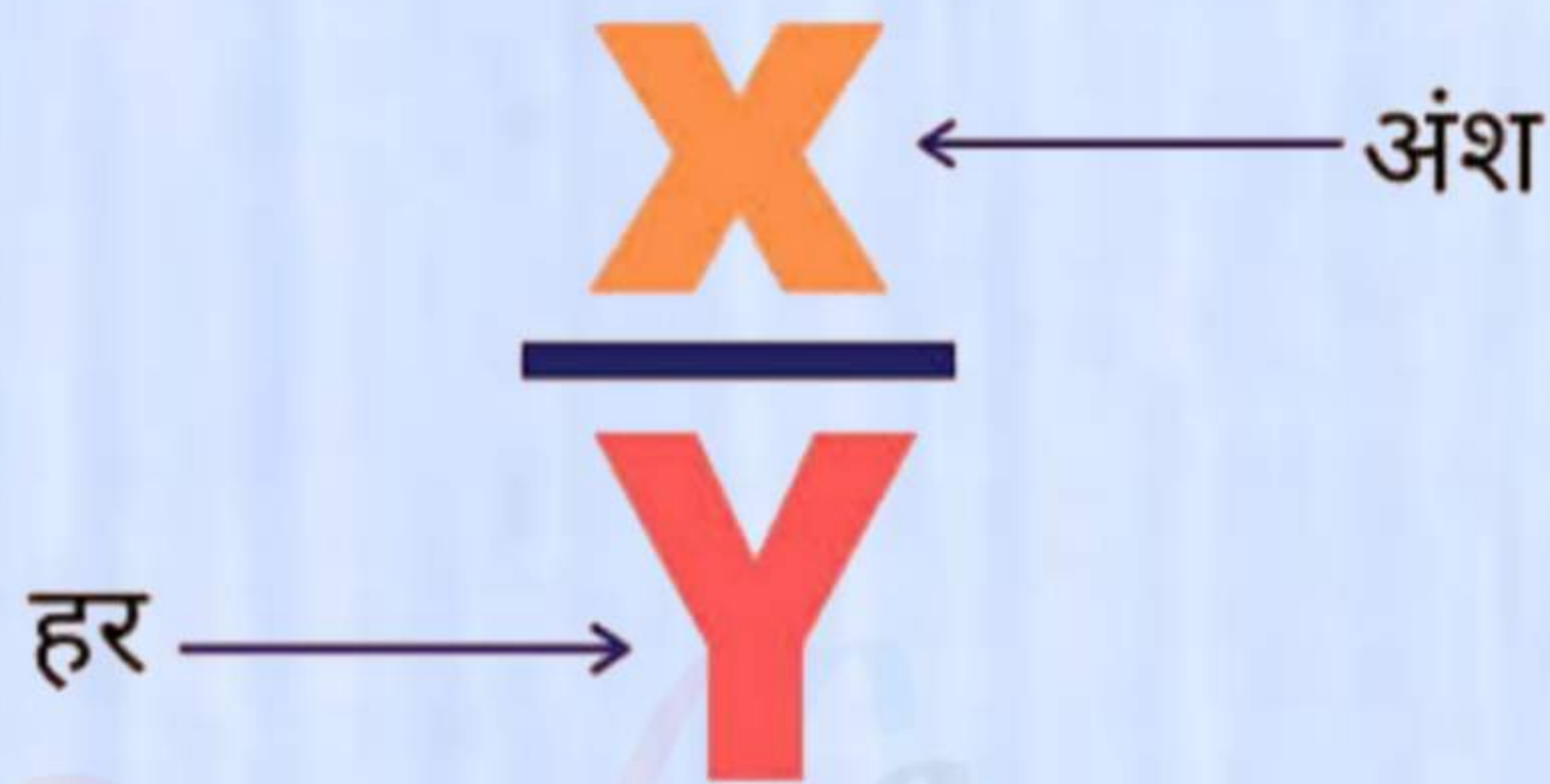




पाठ-8

दशमलव संख्या और भिन्न

कैसे बदलें दशमलव में भिन्न को,  
सीखो बच्चों आज लगाकर मन को।  
अंश बटा हर होती है भिन्न,  
हर से अंश में भाग देकर देखो।।



$$\frac{3}{4}$$

3/4 को दशमलव संख्या में बदलना है,  
फर्स्ट स्टेप में 4 से 3 में भाग देना होगा।  
4 से 3 में भाग नहीं जाएगा,  
इसलिए 3 के नीचे शून्य लगाना होगा।।

भागफल में भी 0 लिखा जाएगा,  
अब 3 से 0 घटाया जाएगा।  
सेकेंड स्टेप में 3 के आगे 0 लगाकर,  
भागफल स्थान में दशमलव लगाया जाएगा।।

$$4 \overline{) 3} ( 0 .$$

$$\underline{0}$$

$$30$$

$$4 \overline{) 3} ( 0 . 75$$

$$\underline{0}$$

$$30$$

$$\underline{28}$$

$$20$$

$$\underline{20}$$

$$x$$

अब संख्या हो गई 30  
4 का पहाड़ा पढ़ने पर 30 के नीचे आएगा 28  
30 में से घटाएँगे संख्या 28 मेरे बच्चों  
भागफल स्थान में 7 आएगा प्यारे बच्चों।।

थर्ड स्टेप में भाग देकर 20 ही आ जाएगा  
20 में से 20 घटाएँगे तो शेषफल शून्य आएगा।

$$\frac{3}{4} = 0.75$$

इस प्रकार भागफल 0.75 प्राप्त हो जाएगा,  
ऐसे ही भिन्न को दशमलव संख्या में बदला जाएगा।।





### पाठ-9

### प्रतिशत

बच्चों प्रतिशत क्या होता है,  
प्रति सैकड़ा प्रतिशत होता है।  
% इस चिन्ह से इसे प्रदर्शित करते हैं,  
आओ आज % पर बात करते हैं।



$$\% = \frac{1}{100}$$

बच्चों 10 प्रतिशत का मतलब बताओ,  
10 प्रतिशत, 10 बटा 100 होता है।

$$10 \% = 10 \times \frac{1}{100}$$

इस प्रकार प्रतिशत का मतलब,  
संख्या बटा 100 होता है।

अगर  $\frac{2}{5}$  को प्रतिशत में बदलना है,  
तो,  $\frac{2}{5}$  का 100 से गुणा करते हैं।  
भिन्न का 100 से गुणा करके ही,  
प्रतिशत में उसे बदल देते हैं।

$$\frac{2}{5} \% = \frac{2}{5} \times 100$$

$$= 40$$

**500 का 40 %**

$$= 500 \times \frac{40}{100}$$

$$= 200$$

अब 500 का 40% बताओ,  
500 का  $\frac{40}{100}$  से गुणा करो।  
इसका उत्तर बताने में न देर करो,  
ऐसे ही अभ्यास और करो।





पाठ-10

लाभ-हानि

कम में खरीद ज्यादा में बेचा,  
तो लाभ प्राप्त होता है।  
विक्रय मूल्य घटा क्रय मूल्य,  
ये लाभ प्राप्ति का सूत्र होता है।।



विक्रय मूल्य > क्रय मूल्य  
लाभ

विक्रय मूल्य < क्रय मूल्य  
हानि

विक्रय मूल्य होता है बेचना,  
क्रय मूल्य होता खरीदना।

कम में खरीद ज्यादा में देते हैं  
इसे ही लाभ प्राप्त होना कहते हैं।।

क्रय मूल्य घटा विक्रय मूल्य,  
कितनी हुई हानि सूत्र इसका होता है।  
कितने प्रतिशत हुई हानि,  
हानि गुणा 100 / क्रय मूल्य सूत्र ये होता है।।

$$\text{हानि \%} = \frac{\text{हानि} \times 100}{\text{क्रय मूल्य}}$$





पाठ-11  
एकिक नियम

एक वस्तु का मूल्य ज्ञात कर,  
अनेक वस्तुओं का मूल्य जानते हैं।  
इसे ही ऐकिक नियम कहते हैं,  
आओ इसे निकालना समझते हैं।।



दी गई वस्तुओं के मूल्य में,  
वस्तुओं की संख्या से भाग देते हैं।  
ऐसे, एक वस्तु का मूल्य ज्ञात कर,  
अनेक वस्तुओं का ज्ञात कर लेते हैं।।



जैसे 2 आम आते हैं 10 रुपए में,  
5 आम आएँगे कितने रुपए में।  
तो, पहले 1 आम का मूल्य ज्ञात करेंगे  
उसमें 5 का गुणा कर उत्तर प्राप्त करेंगे।।







**पाठ-12**

**साधारण ब्याज**

उधार लिया गया धन,  
जब निश्चित समय में देते हैं।  
अतिरिक्त धन तब देना पड़ता,  
इसे ही बच्चों ब्याज कहते हैं।।



**साधारण ब्याज**

$$= \frac{\text{मूलधन} \times \text{दर} \times \text{समय}}{100}$$

मूलधन × दर × समय / 100 सूत्र है होता,  
ब्याज को इसी से है निकालना होता।  
संख्याओं को सूत्रानुसार रखते हैं,  
ऐसे ही ब्याज निकालते हैं।।

उधार ली गई या दी गई राशि,  
मूलधन है कहलाती।  
माना ब्याज दर 8% वार्षिक है,  
तो दर ब्याज 8 रुपये है बताती।।

**मिश्रधन**

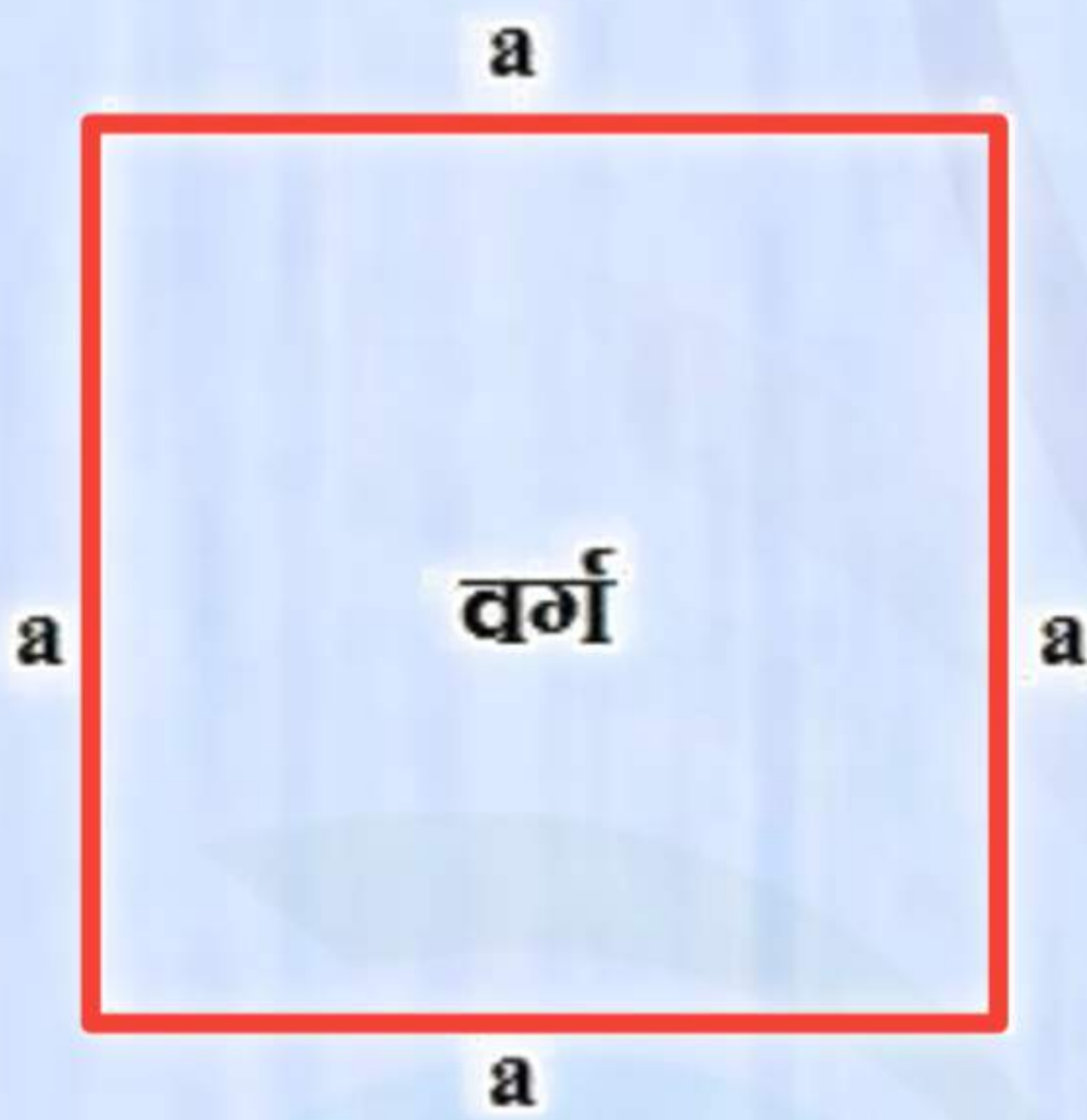
$$= \text{मूलधन} + \text{साधारण ब्याज}$$





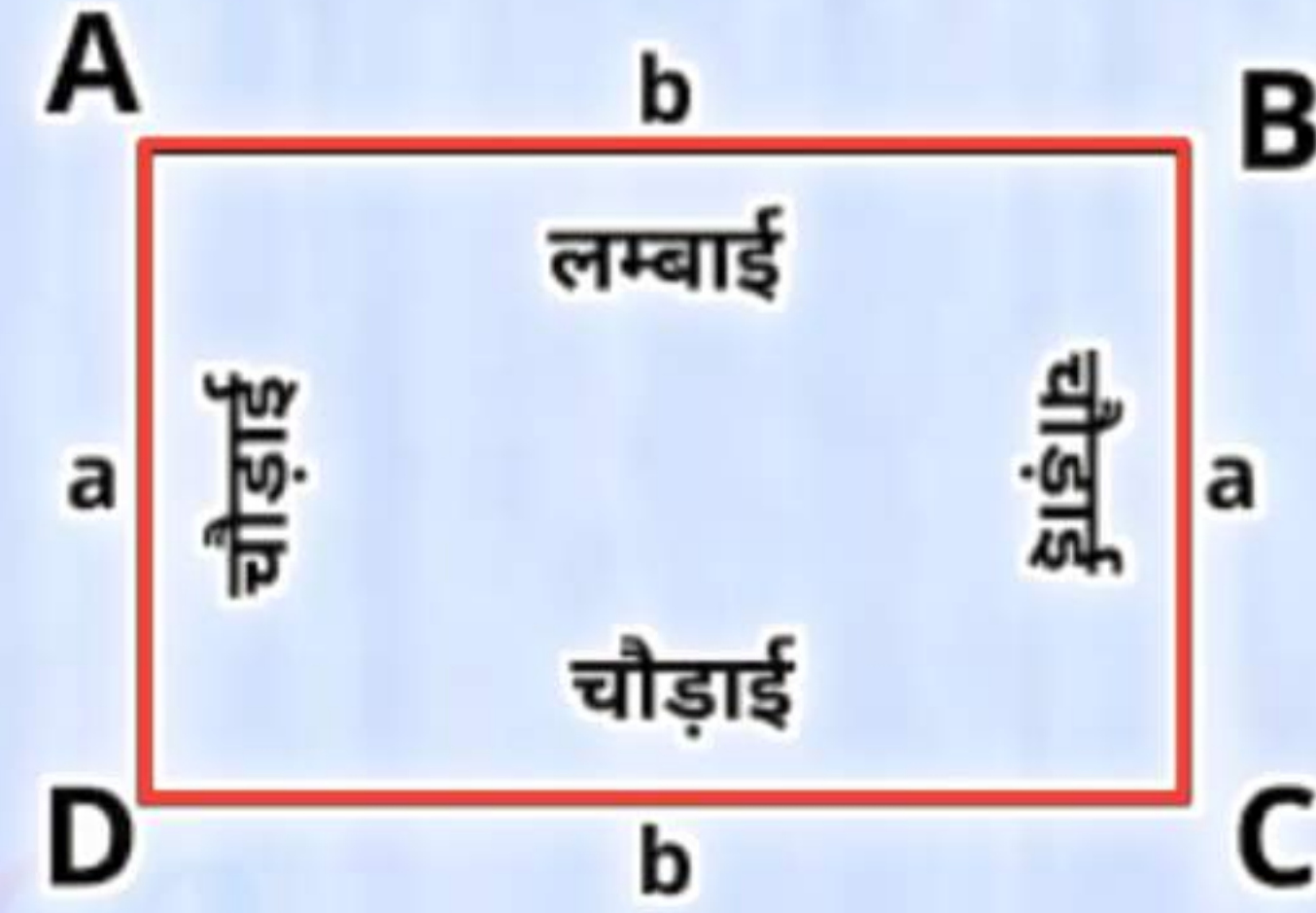
**पाठ-13**  
**ज्यामिति**

किसी आकृति के सभी भुजाओं की माप,  
कही जाती है बच्चों परिमाप।  
आओ इसको समझे अब,  
निकाल पाओगे सब आसानी से तब।।



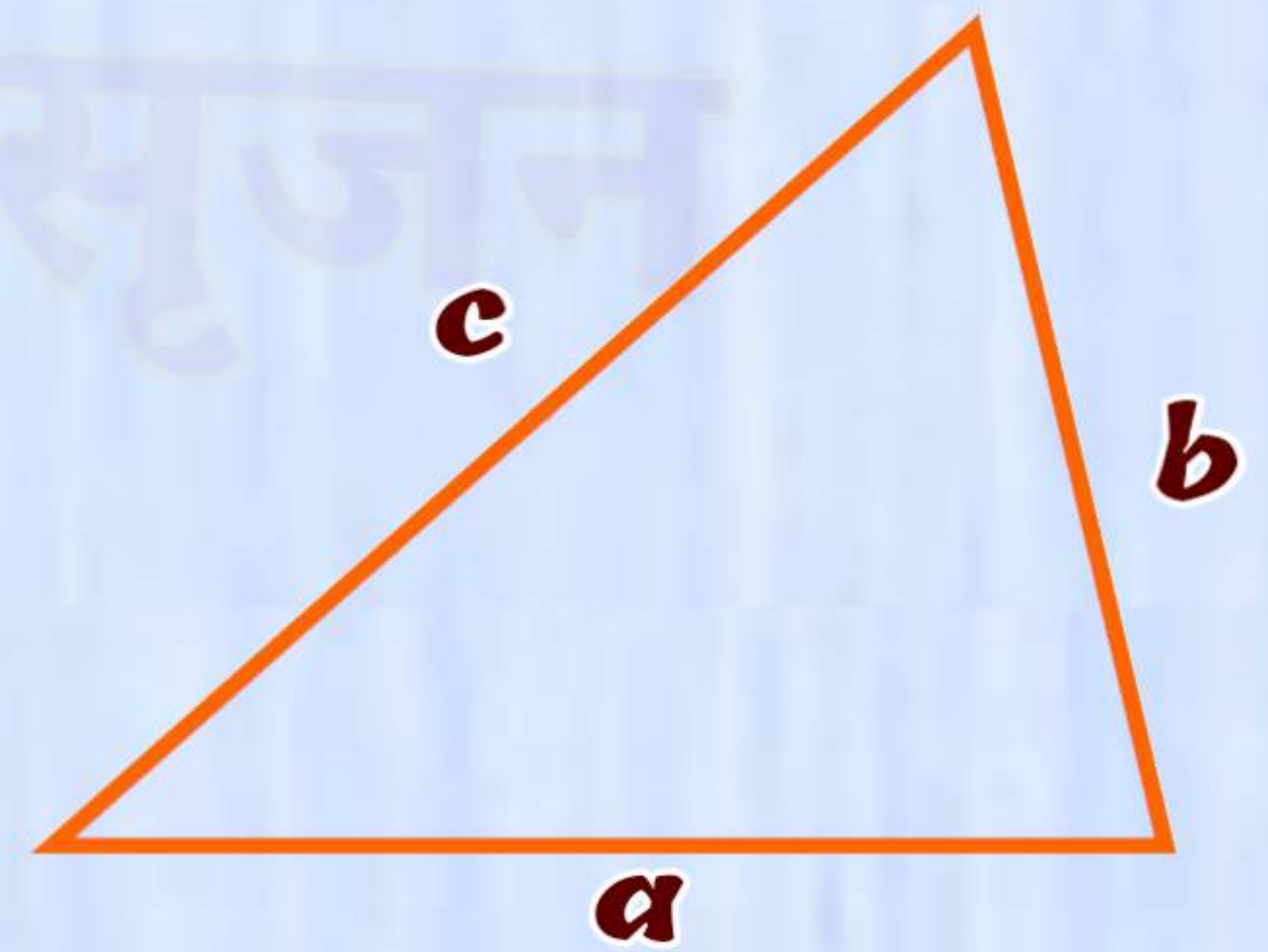
$$\begin{aligned} \text{परिमाप} &= 4 \times \text{भुजा} \\ &= 4 \times a \end{aligned}$$

तिकोने पार्क का परिमाप,  
तीनों भुजाएँ जोड़कर निकालें।  
ऐसे ही किसी भी आकृति का परिमाप,  
भुजाओं की लम्बाई जोड़कर निकाल लें।।



$$\begin{aligned} \text{परिमाप} &= \text{लम्बाई} + \text{चौड़ाई} \\ &+ \text{लम्बाई} + \text{चौड़ाई} \end{aligned}$$

आयत की भुजाओं का योग,  
उसका परिमाप है होता।  
वर्ग की भुजाएँ समान होती हैं  
अतः एक भुजा का चार गुना है होता।।



$$\text{परिमाप} = a + b + c$$



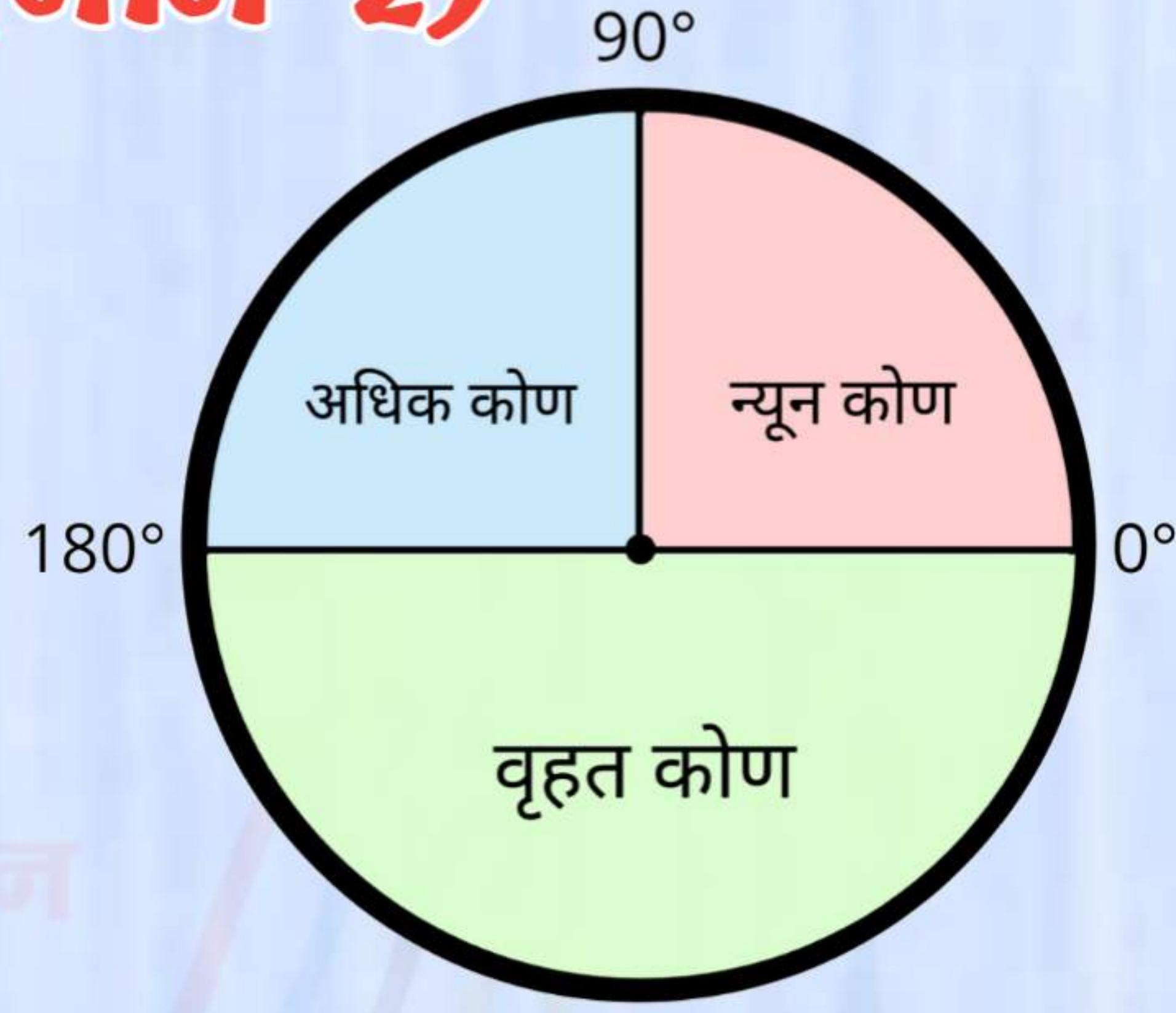
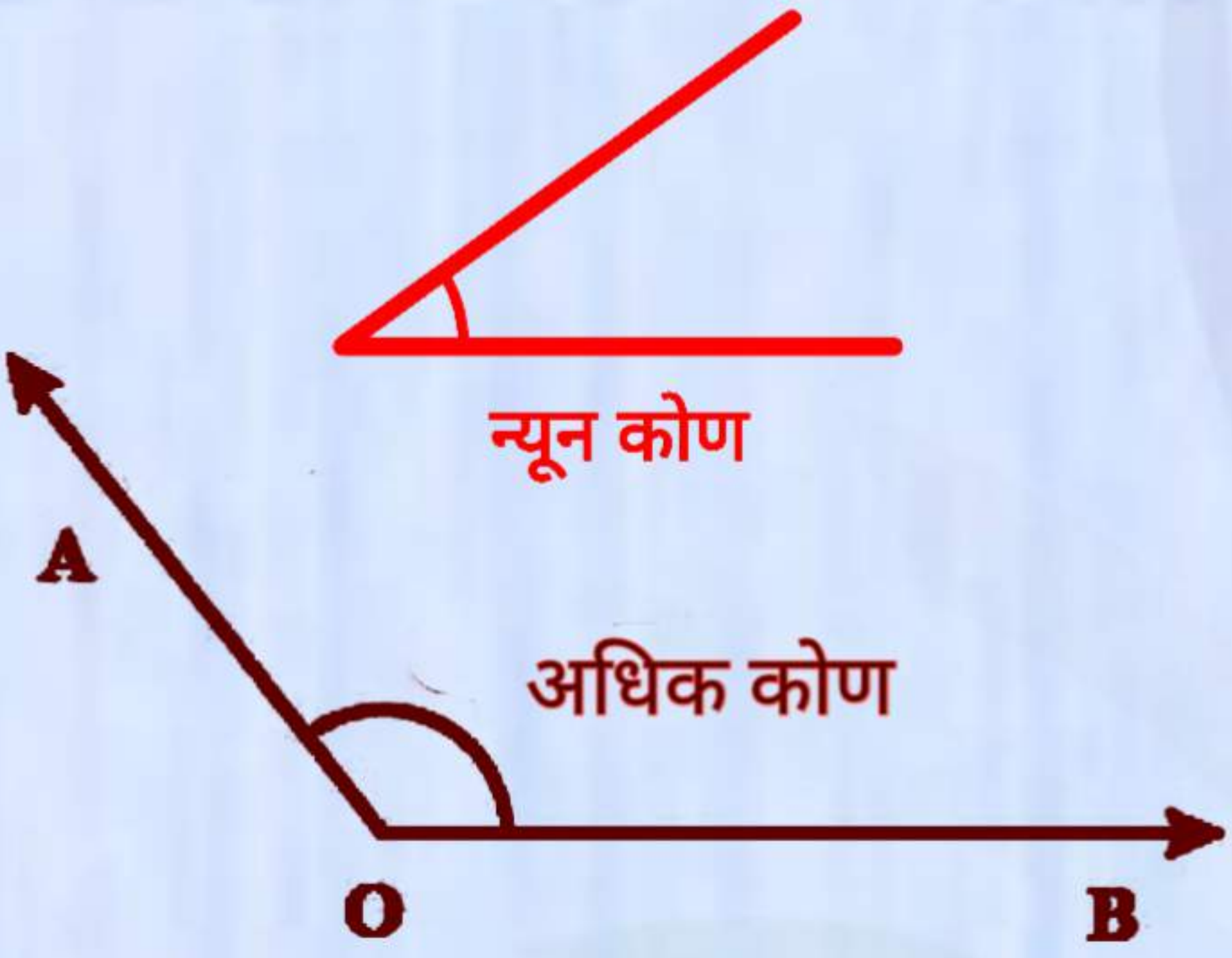


**पाठ-13**

**ज्यामिति (भाग-2)**

एक बिन्दु से दो किरणों जब निकलें,  
यही कोण कहाते हैं।

कोण के होते कई प्रकार हैं,  
प्रकार इसके अब बताते हैं।।



जो कोण होता  $90^\circ$  से कम  
न्यूनकोण जाना जाता।

$90^\circ$  से अधिक  $180^\circ$  से जो होता कम,  
अधिककोण पहचाना जाता।।



जो कोण होता  $90^\circ$  का,  
समकोण है कहा जाता।

जो होता  $180^\circ$  का,  
सरल कोण नाम से जाना जाता।।



$180^\circ$  से अधिक पर  $360^\circ$  से होता कम,  
वृहत कोण कहा जाता।

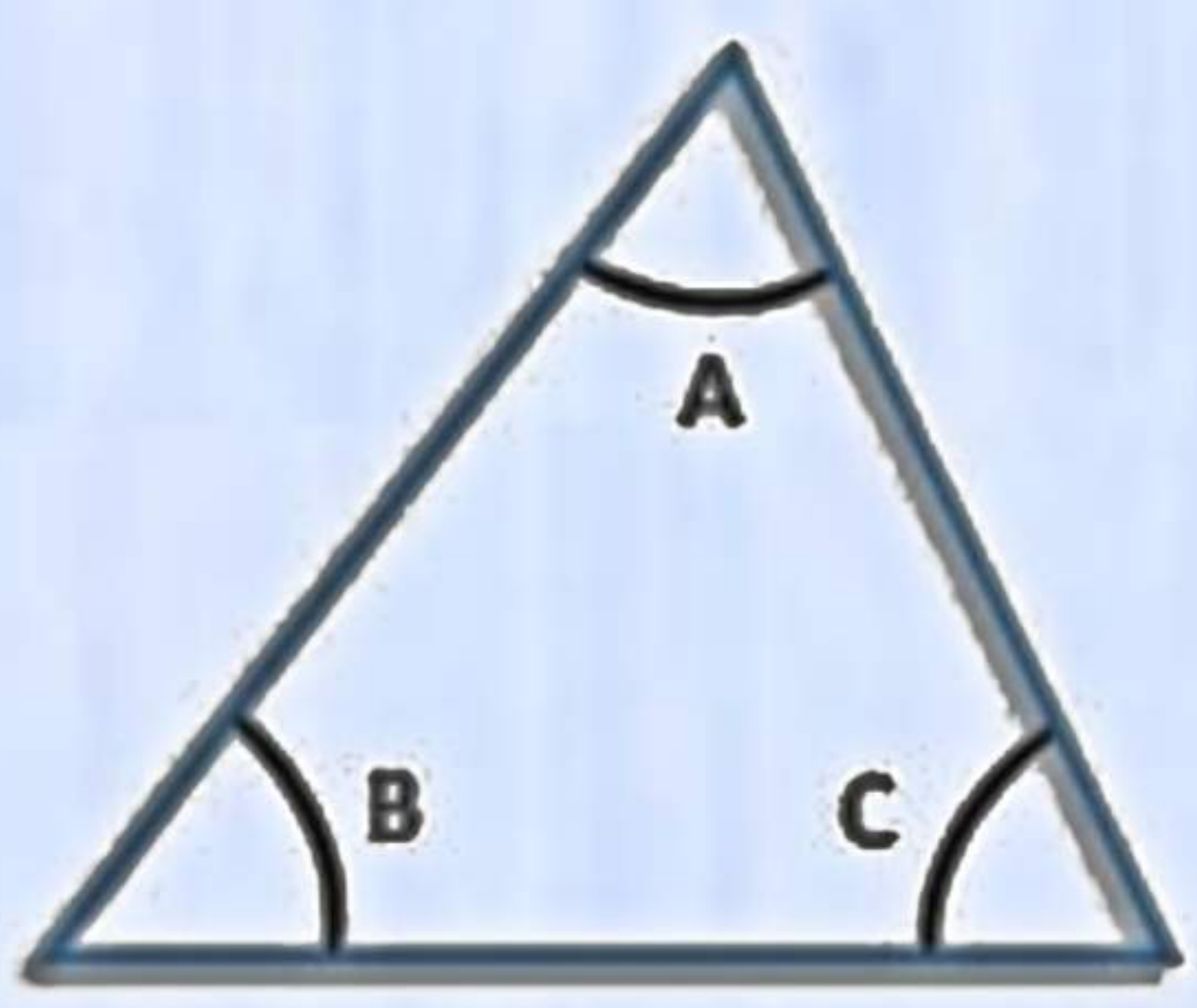
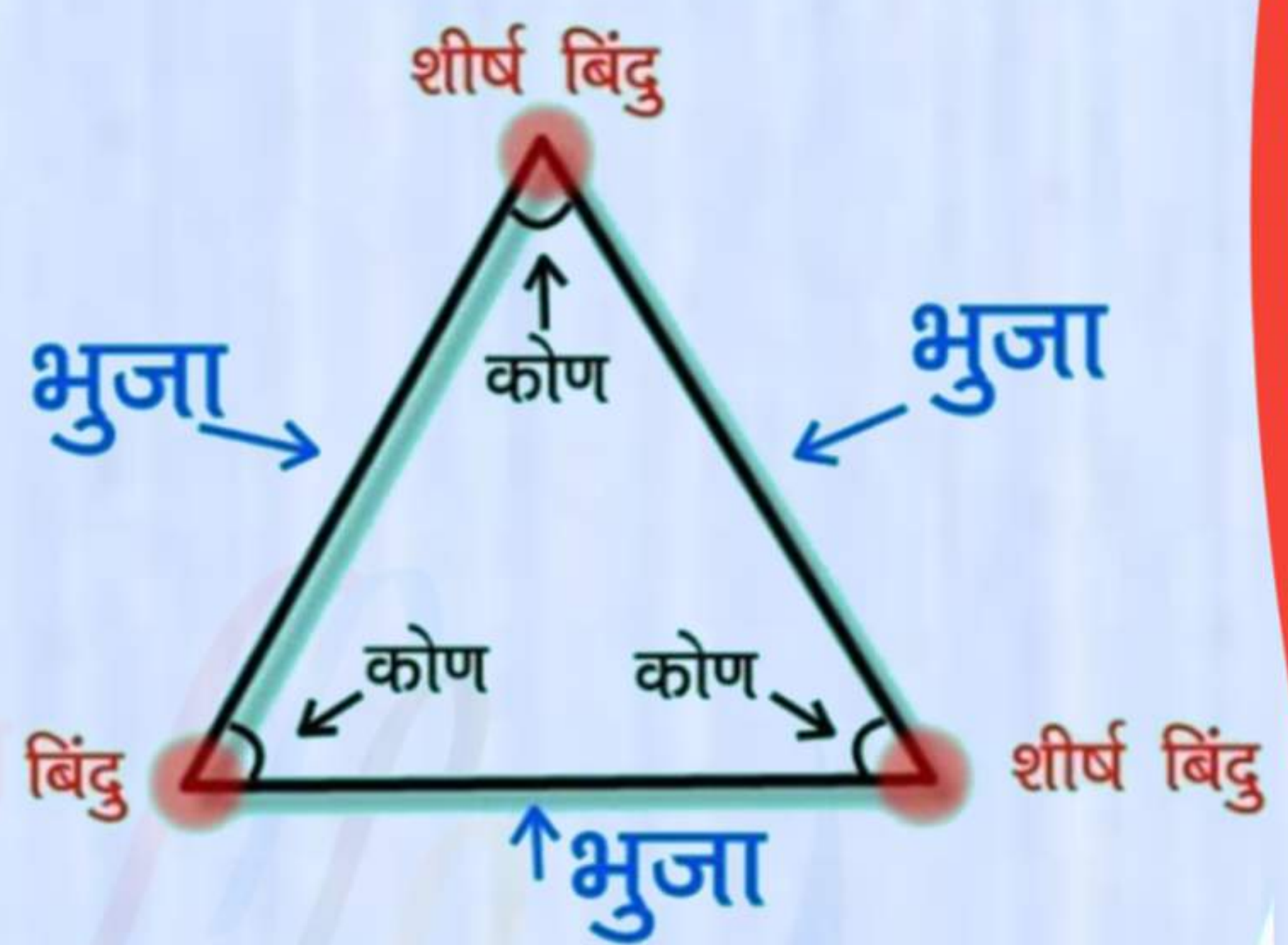
अभ्यास करेंगे, अभ्यास करेंगे,  
आओ इन सब को हम समझेंगे।।





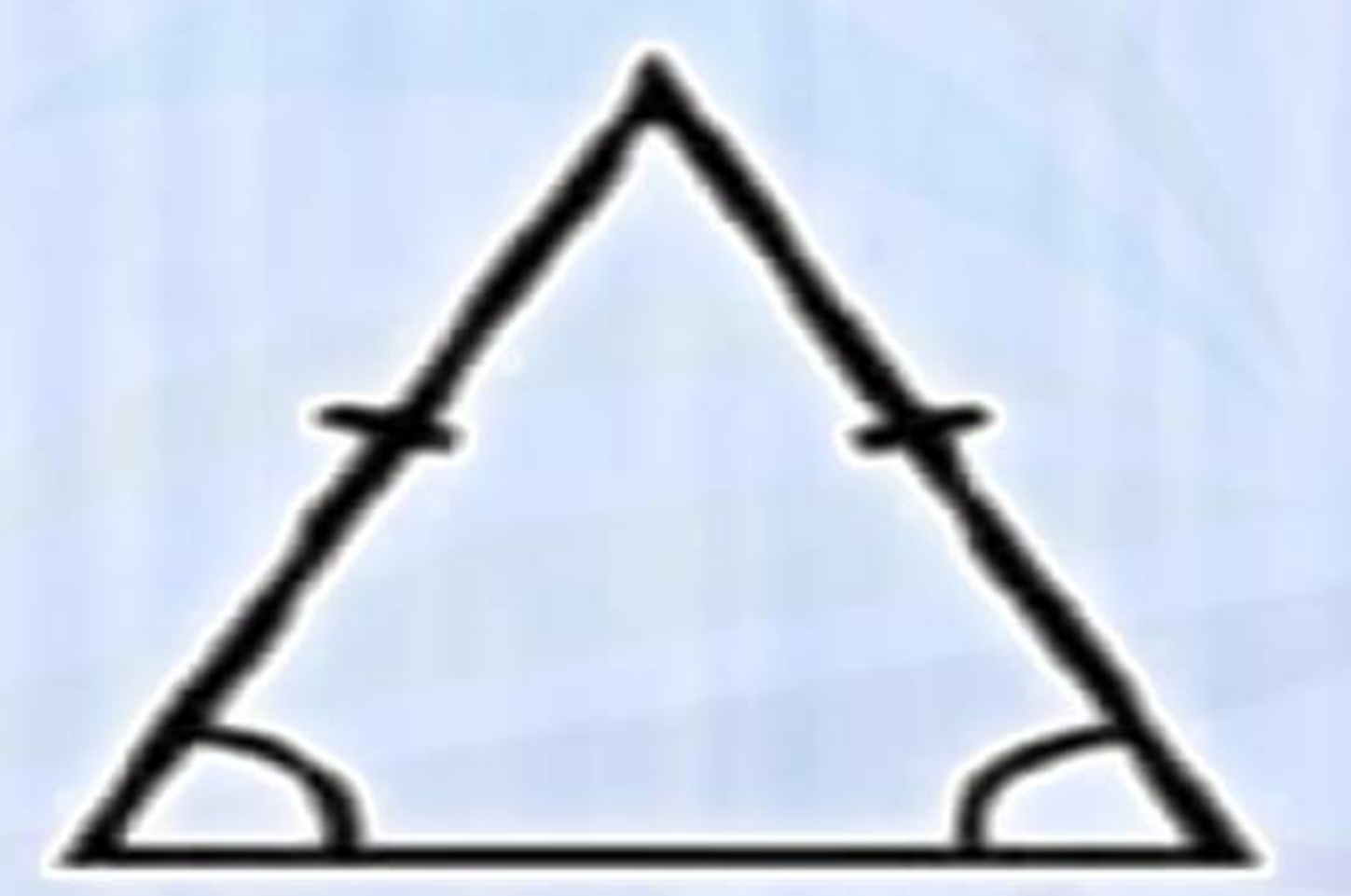
**पाठ-14**  
**त्रिभुज**

तीन भुजाओं की बंद आकृति को त्रिभुज कहते हैं, त्रिभुज में 3 भुजाएँ, 3 कोण और 3 शीर्ष होते हैं।



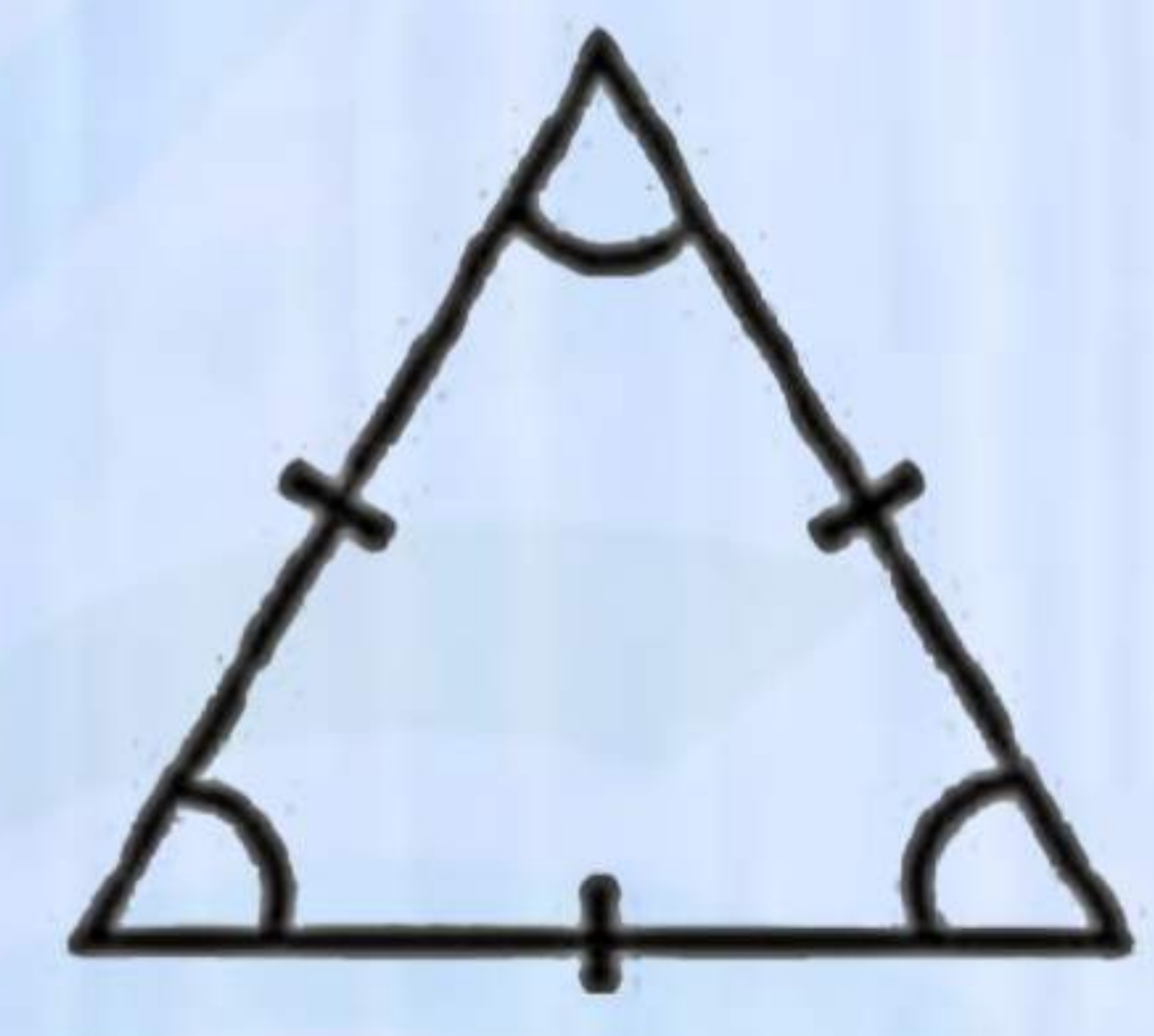
**$A + B + C = 180^\circ$**

तीनों भुजाओं होती हैं जब समान रे, समबाहु त्रिभुज तब बच्चों इसको जान रे।



समद्विबाहु त्रिभुज

तीनों भुजाओं की लम्बाई अलग होवे जब, मँडम जी उसे विषमबाहु त्रिभुज कहवे तब।



समबाहु त्रिभुज

जब होएँ दो भुजाएँ समान, समद्विबाहु त्रिभुज तब उसको मान।



विषमबाहु त्रिभुज

माप के आधार पर त्रिभुज के होवें 3 प्रकार रे, न्यूनकोण, समकोण और अधिककोण उनको जाने रे।

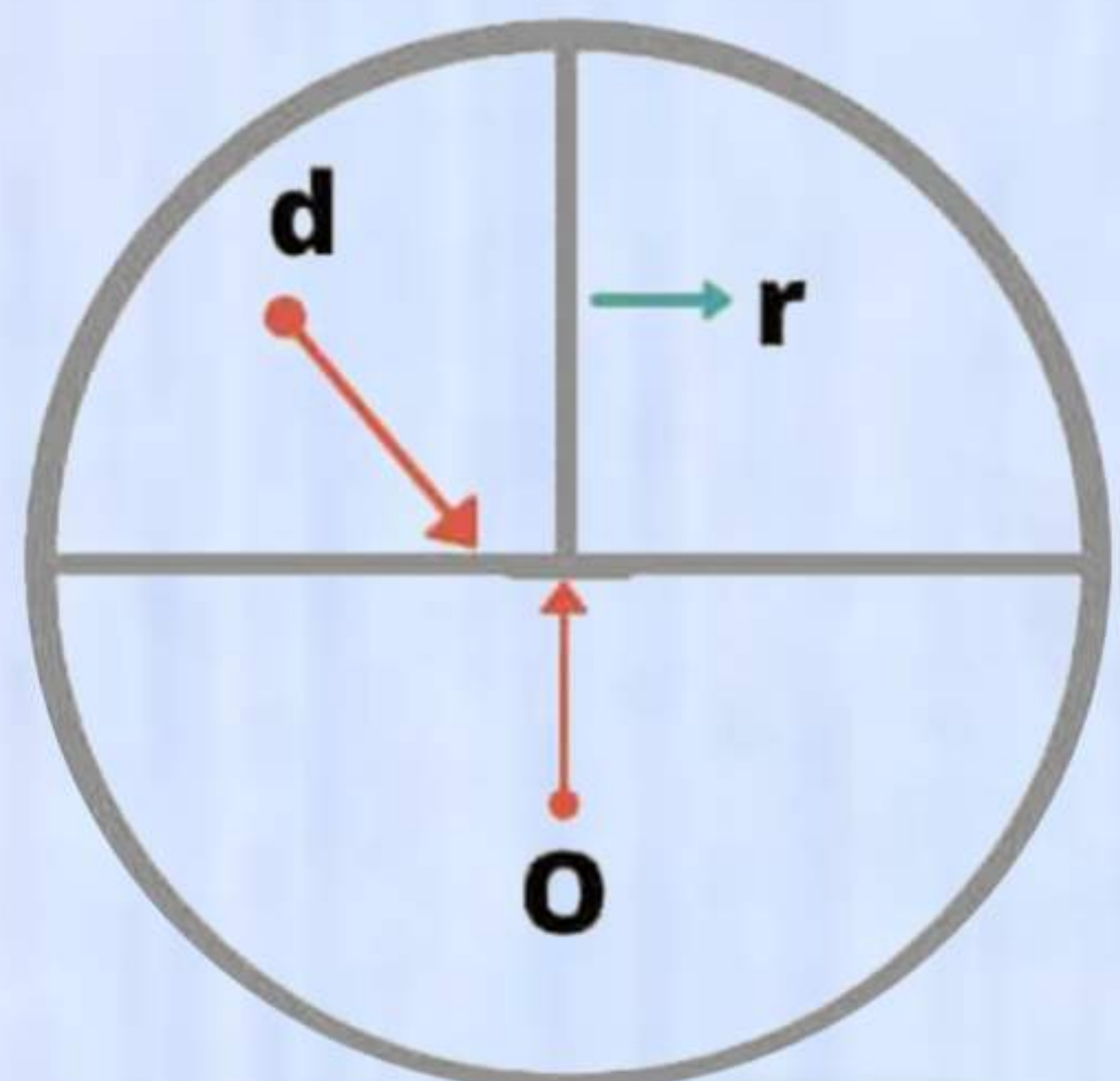




**पाठ-15**

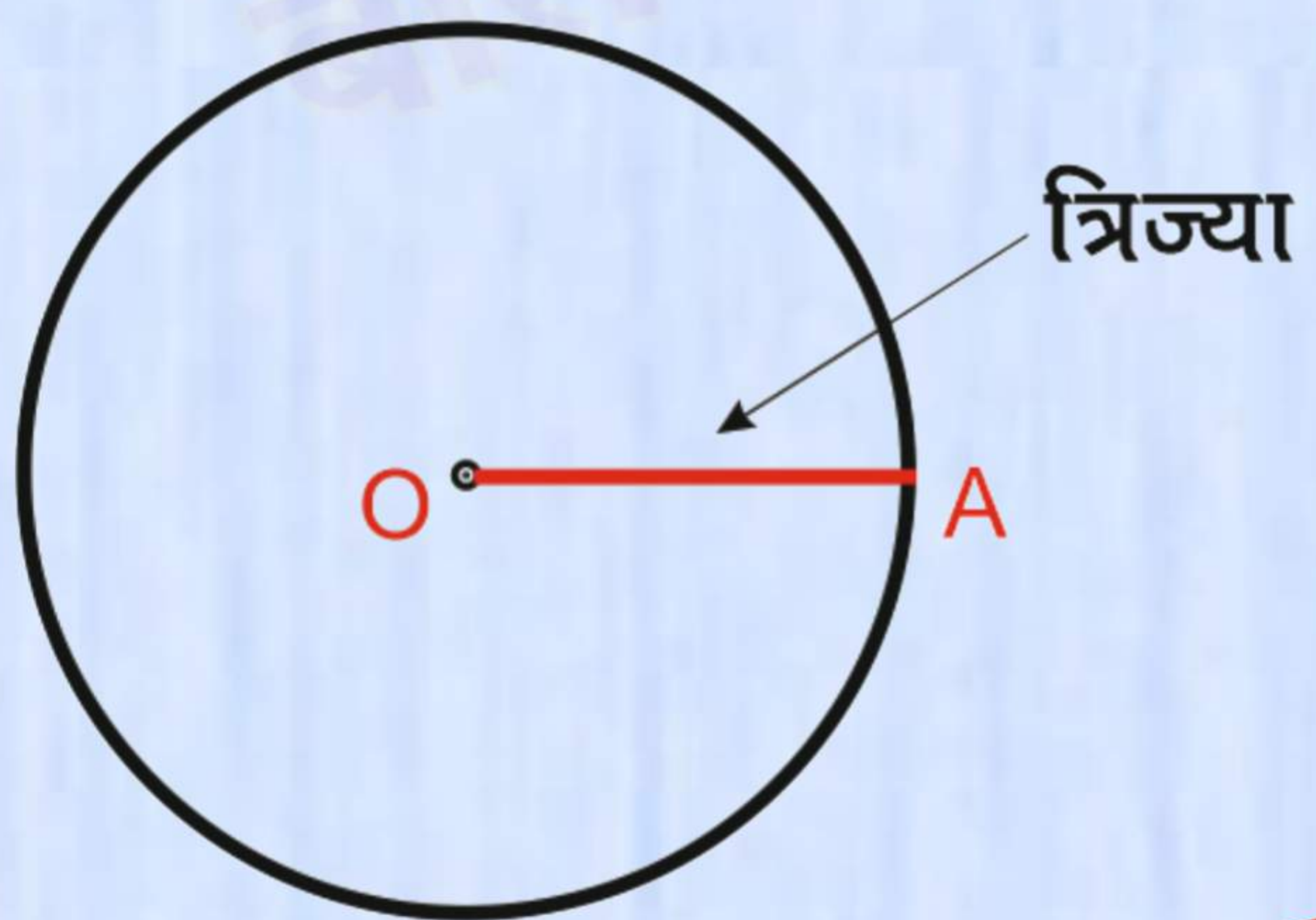
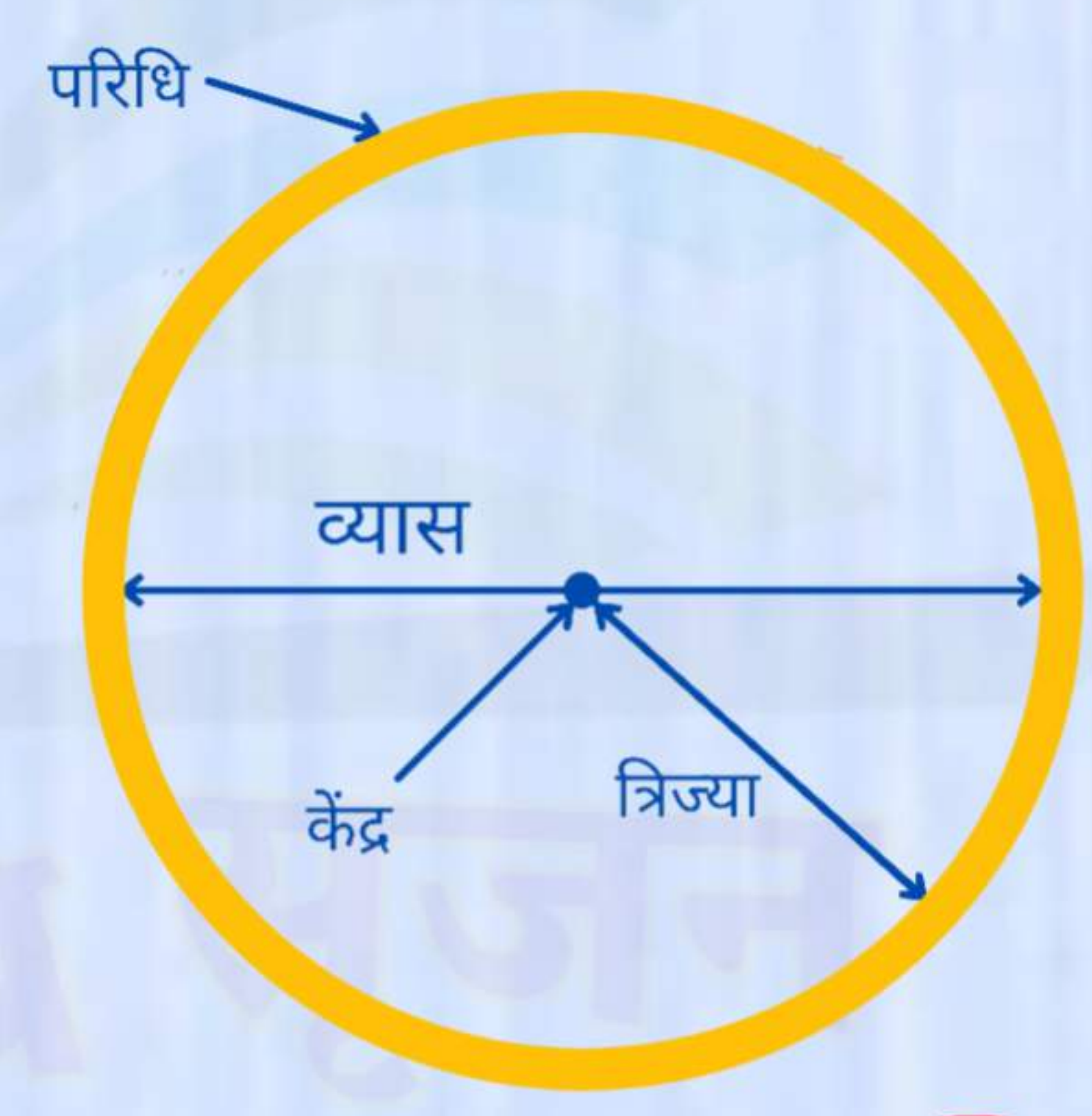
**वृत्त**

वृत्त के बारे में बच्चों  
तुम्हे बताते हैं,  
गोलाकार आकृति को  
ही वृत्त कहते हैं।



एक निश्चित बिंदु से समान  
दूरी पर जब बिन्दुपथ होता है,  
इसी बिन्दुपथ को वृत्त कहा जाता हैं।

वृत्त के चारों की वक्र लम्बाई  
परिधि नाम से है जानी जाती,  
किन्ही दो बिन्दुओं की अधिकतम  
दूरी व्यास है कहलाती।



केन्द्र से परिधि तक की  
दूरी त्रिज्या होती है,  
ये त्रिज्या व्यास की  
आधी होती हैं।

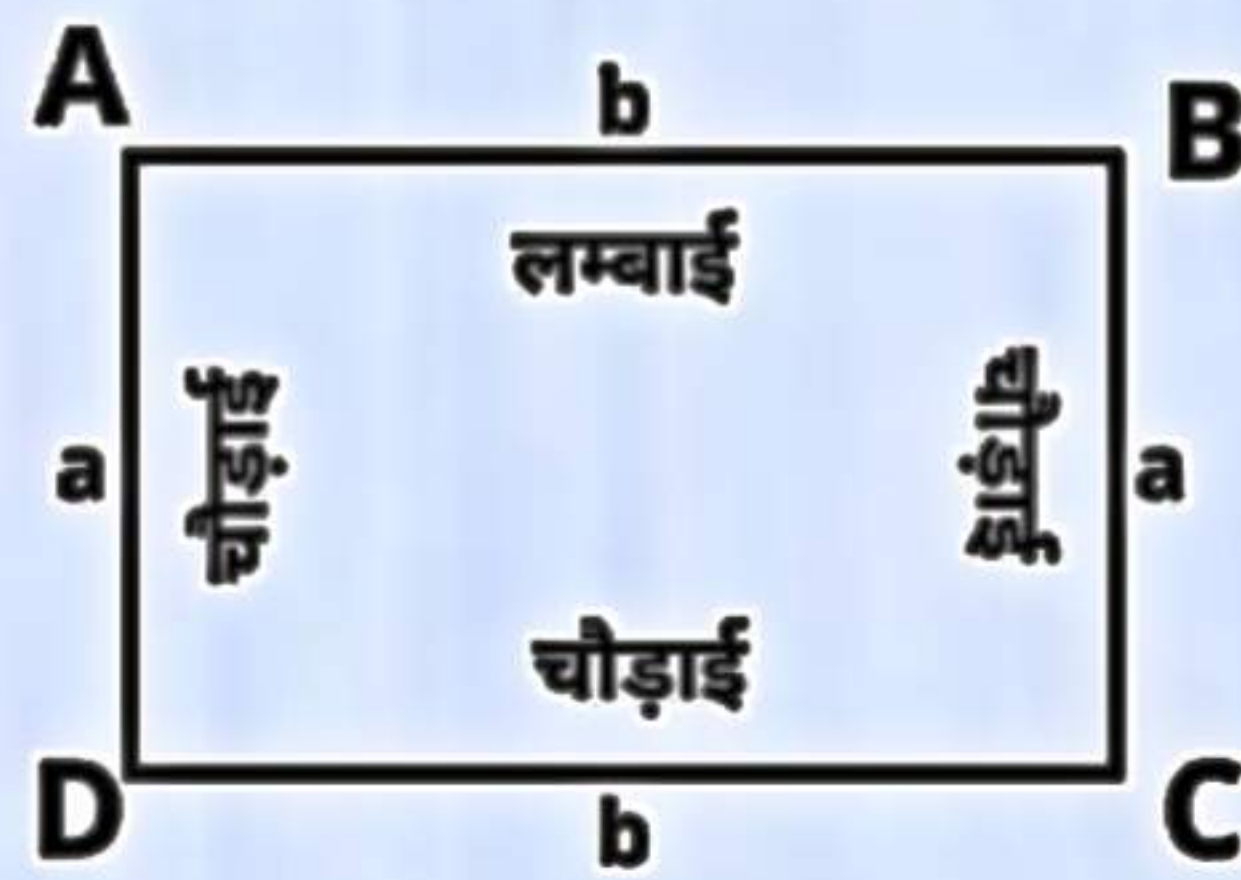
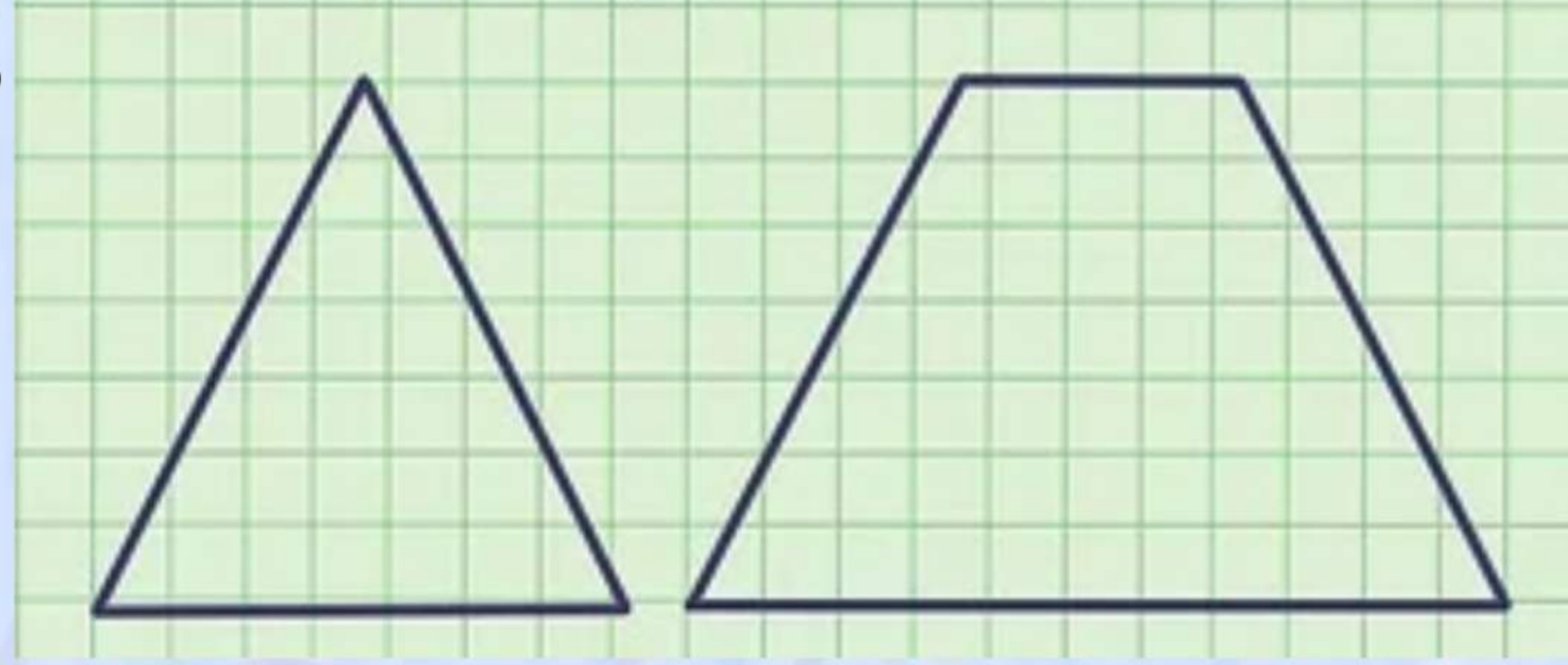




**पाठ-16**

**क्षेत्रफल**

बंद आकृति घेरती जितना तल,  
समझो उसको बच्चों क्षेत्रफल।  
क्षेत्रफल निकालते हैं कैसे,  
ज्ञात करेंगे इसका हल।।



**क्षेत्रफल = लम्बाई × चौड़ाई**

आयत का क्षेत्रफल निकालने को,  
लम्बाई का चौड़ाई से गुणा करते हैं।  
वर्ग का क्षेत्रफल निकालने को,  
भुजा का भुजा से गुणा करते हैं।।

आओ कुछ सवाल करेंगे,  
एक वस्तु की लम्बाई है 2 मीटर  
तथा चौड़ाई है उसकी 3 मीटर  
ल०xचौ०से उत्तर आया 6 वर्ग मीटर।।



**क्षेत्रफल = 3 मीटर × 2 मीटर  
= 6 वर्ग मीटर**



**क्षेत्रफल = भुजा × भुजा  
= 2 मीटर × 2 मीटर  
= 4 वर्ग मीटर**

अब वर्गाकार आकृति लेते हैं,  
2 मी०है इसकी भुजा क्षे० ज्ञात करते हैं।  
भुजा × भुजा से उत्तर आया 4 वर्ग मी०,  
क्षेत्रफल को वर्ग मीटर में मापते हैं।।

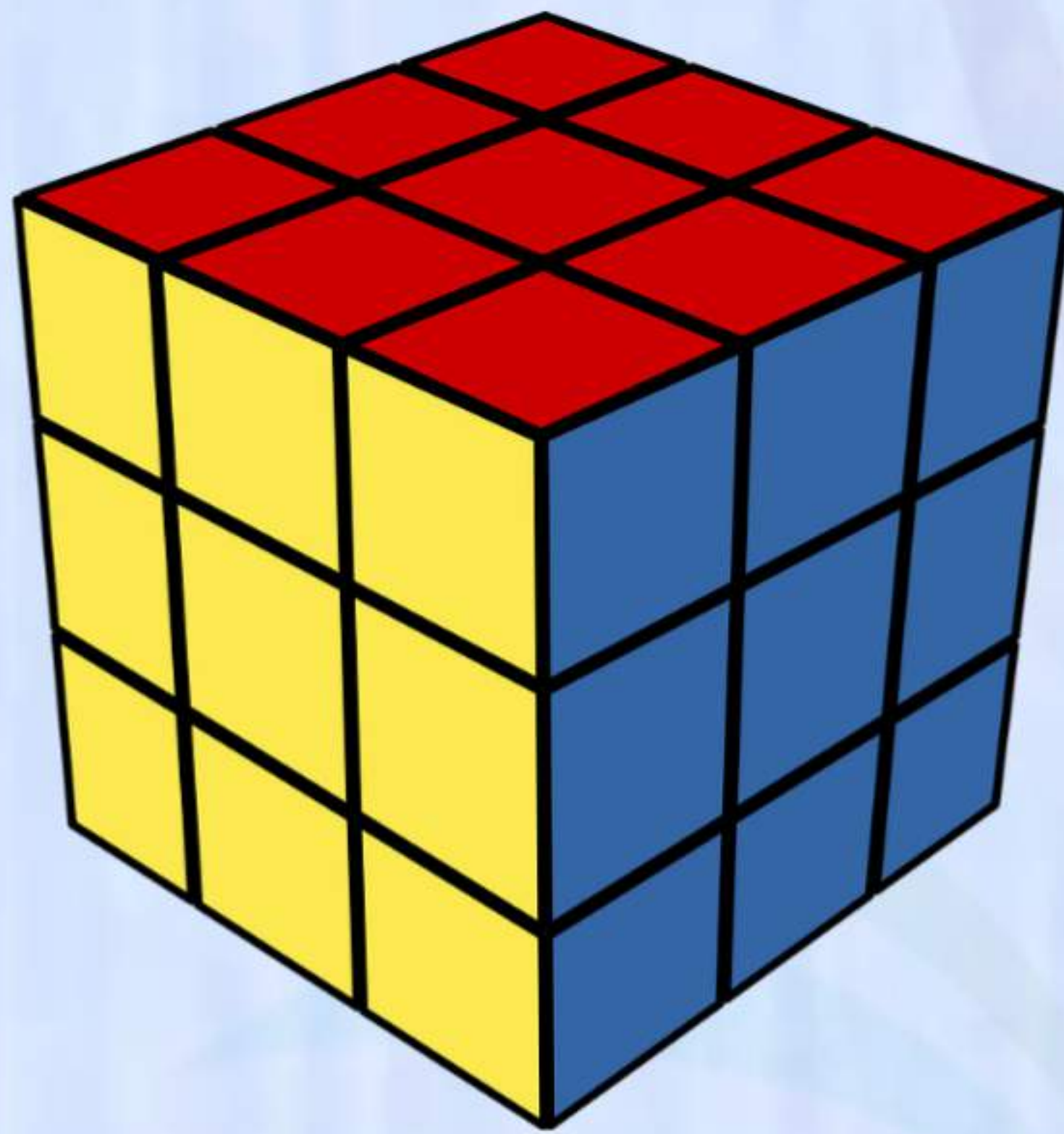




पाठ-17

आयतन और धारिता

लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई का गुणा,  
वस्तुओं का है आयतन होता।  
घन सेंटीमीटर या घन मीटर से,  
इसको है नापना होता।।

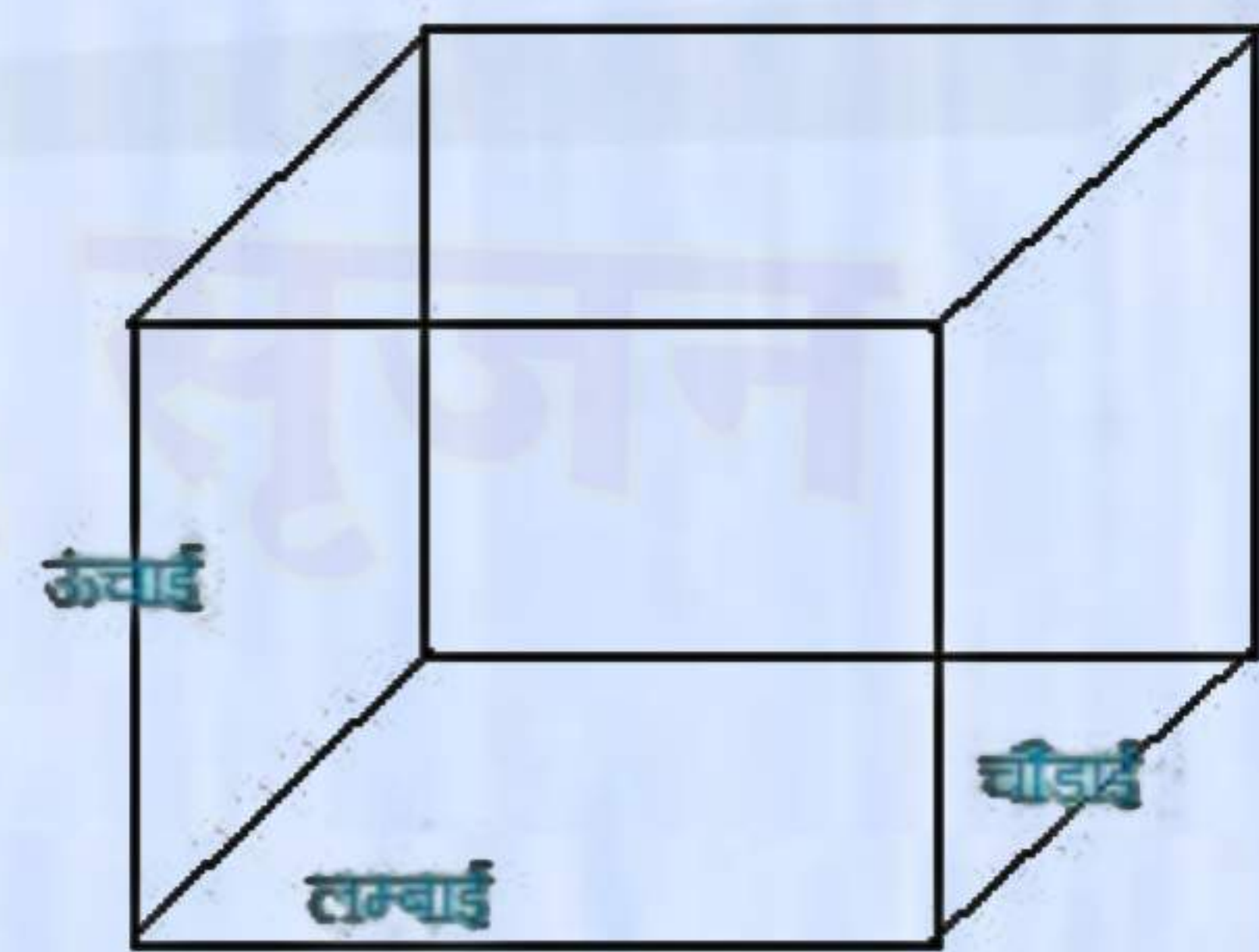


घन का आयतन  
= भुजा × भुजा × भुजा

घन का आयतन गर निकालना हो तो,  
भुजा × भुजा × भुजा सूत्र अपनाते हैं।  
घनाभ का आयतन निकालने को  
लंबाई × चौड़ाई × ऊंचाई अपनाते हैं।।



धारण करने की क्षमता,  
धारिता है कहीं जाती।  
यह बर्तन भरने की क्षमता  
मिलीलीटर या लीटर में नापी जाती।।



घनाभ का आयतन  
= लंबाई × चौड़ाई × ऊंचाई





**पाठ-18**

**समय सारिणी**

कार्य सुचारु रूप से चलते रहें,  
ऐसी बनानी समय सारिणी होती है।  
नियत समय का विवरण होता,  
समय सारिणी ऐसी तालिका होती है।।



P3L TIME TABLE					
	MON	TUE	WED	THU	FRI
7.30	Maths	English	Health Education	Art / Craft	Thai
8.10	Chinese	Thai	Maths	Chinese	Chinese
8.50					
9.30	B R E A K				
10.00	Science	Chinese	Social Studies	Maths	Science
10.40					
11.20	L U N C H				
11.50	English	Music	English	English	English
12.30				P.E.	Library
1.10	Thai	Maths	Chinese		ICT
1.50					
2.30					

हर विद्यालय की समय सारिणी होती है,  
कार्यालयों की भी समय सारिणी होती है।

समय का सदुपयोग इससे है होता,  
कार्य करो समय से, समय सारिणी कहती है।।

समय सारिणी क पालन से,  
अनुशासित जीवन रहता है।  
समय सारिणी की समझ से,  
जीवन में सफल व्यक्ति होता है।।



आओ रेल-बसों के आने-जाने का समय,  
गिनतारा, समय सारिणी से समझेंगे।  
घर वालों को भी बताएँगे,  
सब समय सारिणी पढ़ना सीख जाएँगे।।

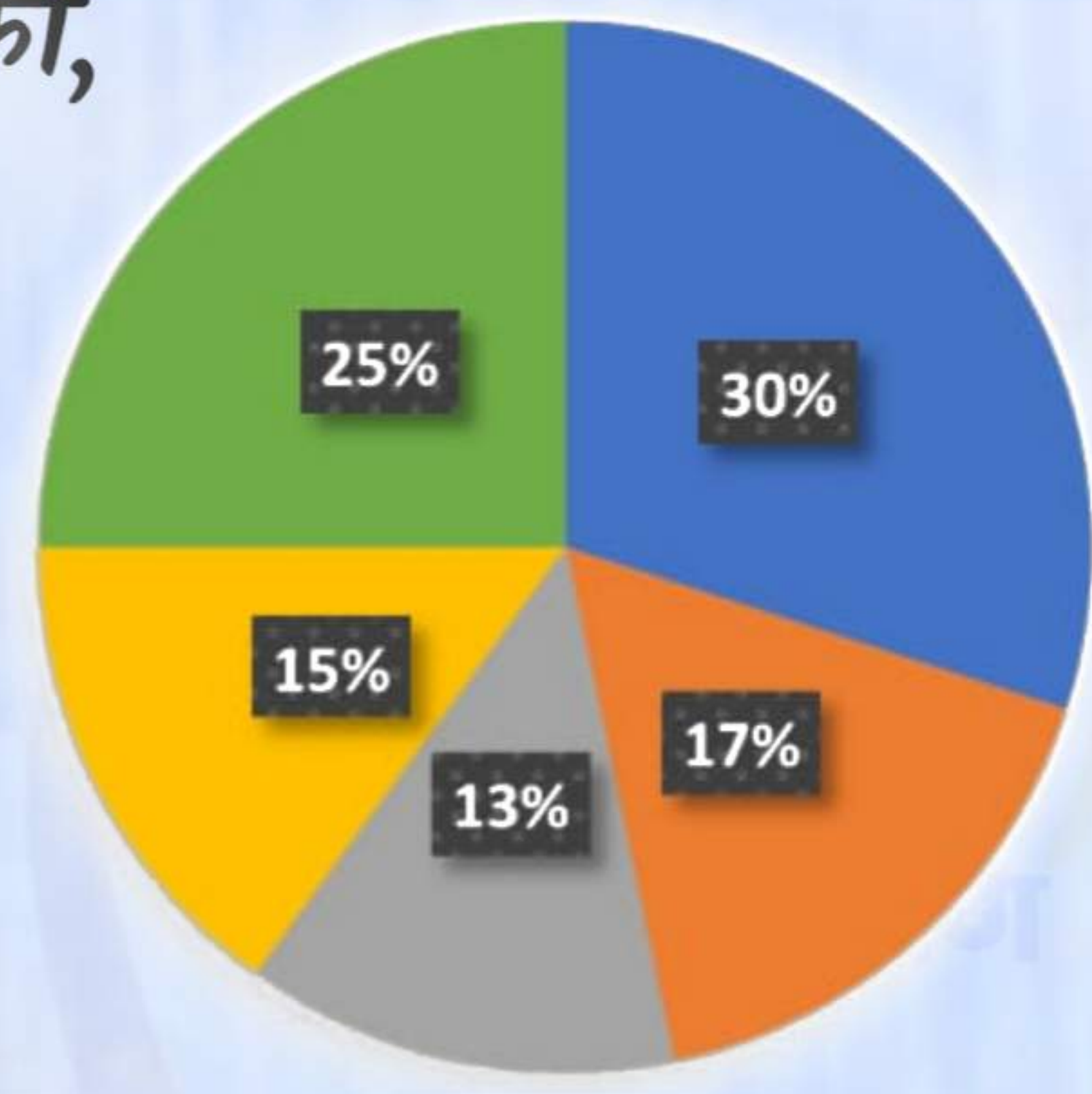
गाड़ी संख्या 09089 अहमदाबाद-गोरखपुर सुपरफास्ट स्पेशल		स्टेशन	गाड़ी संख्या 09090 गोरखपुर-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
.....	23:30	अहमदाबाद	15:35	.....
12:00	12:05	इटारसी	02:00	02:05
15:35	15:45	जबलपुर	22:15	22:25
17:00	17:15	कटनी	20:50	21:00
18:40	18:55	सतना	19:10	19:25
06:15	.....	गोरखपुर	.....	08:40





**पाठ-19**  
**आँकड़े**

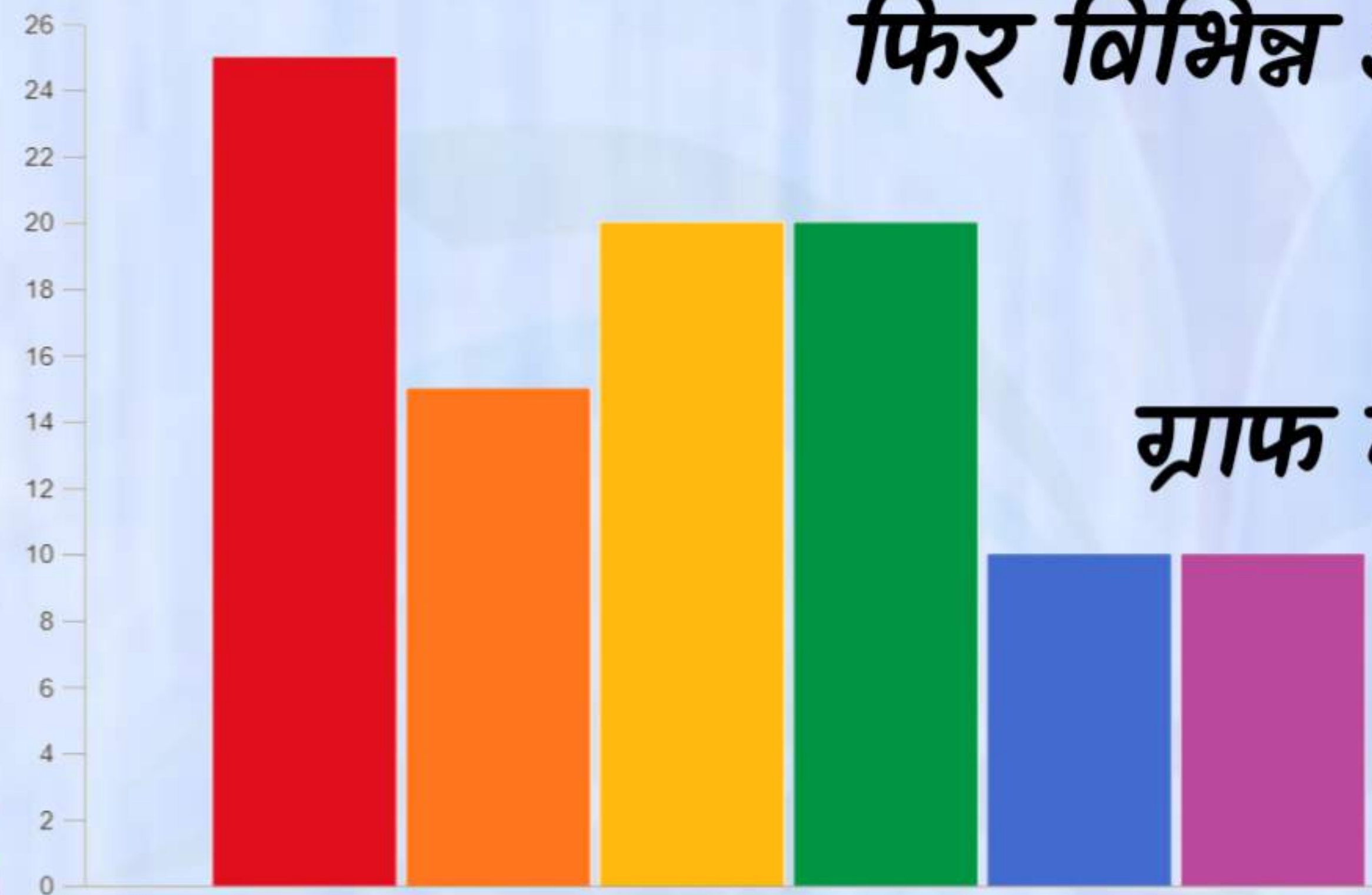
सामूहिक संख्यात्मक सूचना को, बच्चों आँकड़े कहते हैं। कई प्रकार की आकृतियों से, इनका अध्ययन करते हैं।।



- पैदल
- साईकल
- रिक्शा
- मोटर साईकल/स्कूटर
- अन्य साधन

आँकड़ों का एकत्र कर, विश्लेषण है किया जाता, फिर विभिन्न आकृतियों से वर्णित किया जाता।

आकृतियों को ग्राफ कहते हैं, ग्राफ को कर-कर अभ्यास समझते हैं।।



आँकड़े अपने आप में नहीं होते हैं सूचना, पर अध्ययन कर निकाल लेते हैं सूचना। व्यवस्थित आँकड़े सब कुछ कह देते हैं, दण्ड आरेख, वृत्त खंड से सब समझा देते हैं।।

